

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 5

© 2012, डॉ. टेड हिल्डेब्रांट,

यह पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम में व्याख्यान संख्या पांच में डॉ. टेड हिल्डेब्रांट हैं। आज का व्याख्यान उत्पत्ति अध्याय एक, श्लोक 1:1 और 1:2 पर होगा, और फिर, उत्पत्ति के दिनों पर चर्चा होगी।

ए. प्रश्नोत्तरी पूर्वावलोकन [0:0-2:29]

अगले सप्ताह के लिए कुछ बातें। आप लोग अगले सप्ताह यह अनुमान लगाने पर काम कर रहे हैं कि कौन सी किताब है? एक्सोडस। ठीक है, आपको संपूर्ण निर्गमन पढ़ना होगा, क्या आपको लगता है? [छात्र: हाँ!] देखिए, वहाँ ऊर्जा है। वह पूरी चीज़ के लिए जा रहा है। दरअसल, मैंने इस साल कटौती की है। जब आप एक्सोडस पढ़ते हैं तो केवल चुनिंदा अध्याय होते हैं। यह पहले बीस अध्याय हैं, मूसा और मिस्र, आपको वह पढ़ना होगा। लेकिन एक बार जब आप वहां पहुंच जाते हैं जहां टैबरनेकल है, तो मैं टैबरनेकल पर कुछ पाठन कम कर देता हूँ क्योंकि, आपके साथ ईमानदार होने के लिए, यह इसे दो बार पढ़ता है। फिर यह सब विवरण है कि टैबरनेकल का निर्माण कैसे हुआ। हम बस उसके चुनिंदा अध्याय पढ़ने जा रहे हैं। पाठ्यक्रम में देखो; यह कौन से अध्याय निर्दिष्ट करेगा। फिर उन अध्यायों की कहानियाँ जानें, और हम वहाँ से आगे बढ़ेंगे। "खूनी दूल्हा" पर एक लेख होगा। तेजी से कुछ बार "खूनी दूल्हा" कहें। जब आप पाठ में उसे पढ़ेंगे तो आपके मन में उस पर प्रश्न होंगे; और इसलिए उस पर एक लेख है। मुझे लगता है कि कुछ स्मृति छंद भी हैं। तो यह सामान्य असाइनमेंट होगा। जानिए कहानियाँ. निर्गमन के लिए कोई बाइबिल- रॉबिक्स नहीं। कोई बाइबिल- रॉबिक्स नहीं, मैंने इसे अभी तक विकसित नहीं किया है। मुझे लगता है कि मैं इस वर्ष एक्सोडस के लिए इसे विकसित करने का प्रयास कर सकता हूँ और फिर आपके प्रतिलेखन हैं। आपके संपादकों से आपके प्रतिलेखन आज मुझे ईमेल के रूप में भेजे जाने चाहिए और फिर हम उस पर काम करेंगे। इसलिए मूलतः निर्गमन पर ध्यान केंद्रित करें। दूसरी बात पाठ्यक्रम सामग्री के लिए भुगतान है; आपमें से कुछ लोगों ने अभी भी अपना पैसा और चीज़ें जमा नहीं की हैं। मुझे लगता है कि कल आखिरी दिन है और फिर यह आगे बढ़ेगा। कृपया अपना भुगतान आज ही मुझे प्राप्त करें अन्यथा मैं

कल सुबह नौ बजे से दो बजे तक अपने कार्यालय में रहूँगा। सुनिश्चित करें कि आप इसे वहां तक ले जाएं क्योंकि कल के बाद यह दोगुना हो जाएगा। मैं आप लोगों का पीछा नहीं करना चाहता, इसलिए अपने कर्ज का ख्याल रखें।

बी. समीक्षा: प्रेरणा, विमुद्रीकरण, प्रसारण, अनुवाद [2:30-4:52]

आएँ शुरू करें। आज हमारे पास पढ़ने के लिए बहुत सारी सामग्री है। हम उत्पत्ति 1:1 से शुरुआत करने जा रहे हैं और वास्तव में आज पाठ के साथ काम करना शुरू करेंगे। अब तक इस कक्षा में, हम प्रेरणा के बारे में बात करते रहे हैं कि प्रेरणा शत-प्रतिशत होती है, ईश्वर भविष्यवक्ताओं से बात करता है। हमने संतीकरण, उन पुस्तकों को परमेश्वर के वचन में संग्रहित करने के बारे में बात की। फिर हमने ट्रांसमिशन के बारे में बात की है जो कि लिपिबद्ध नकल है। वहां कुछ समस्याएं रही हैं। अनुवाद में भी कुछ दिक्कतें आई हैं। तो प्रेरणा, विमुद्रीकरण, प्रसारण, और अनुवाद।

अब हम उत्पत्ति 1:1 पर आ गये हैं। इसलिए आज हम "आरंभ में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की" से शुरुआत करने जा रहे हैं। फिर हम देखेंगे कि श्लोक दो में क्या है, और उत्पत्ति 1:1 उत्पत्ति 1:2 से कैसे जुड़ता है। "शुरुआत में भगवान ने आकाश और पृथ्वी की रचना की।" क्या बाइबल इस बात से सहमत है कि कोई शुरुआत है? हाँ। कुछ संस्कृतियों में पृथ्वी इन चक्रों के माध्यम से बार-बार घूमती रहती है। बाइबल ऐसा नहीं करती। क्या बाइबल में कोई शुरुआत है और क्या कोई अंत है? हाँ। तो इसका मतलब है कि चीजें एक दिशा में आगे बढ़ रही हैं। वहाँ एक शुरुआत है, वहाँ एक अंत है; इसका मतलब है कि दिशा, उद्देश्य, अर्थ और इस तरह की चीजें हैं। यह सब फिल्म ग्राउंड हॉर्स डे की तरह बार-बार चक्रित नहीं है।

तो, "आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की।" अब, अगला श्लोक क्या है? यहीं पर पेचीदा हिस्सा आता है। "और पृथ्वी निराकार और खाली थी।" इस आयत और "आरंभ में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की" के बीच क्या संबंध है? उससे और "पृथ्वी निराकार और खाली थी और गहरे जल के ऊपर अन्धकार छा गया था। परमेश्वर की आत्मा जल के ऊपर मँडरा रही थी। और तब परमेश्वर ने कहा, उजियाला हो, और उजियाला हो गया" से क्या सम्बन्ध है? तो उत्पत्ति 1:1 और 1:2 के बीच क्या संबंध है?

इस पर मूलतः तीन स्थितियाँ हैं। हम इन दो श्लोकों के संबंध को लेने के उन तीन अलग-अलग तरीकों से गुजरेंगे और देखेंगे कि यह चीजों को कैसे प्रभावित करता है। इसे देखने के तीन अलग-अलग तरीके क्या हैं और कौन से दृश्य पृथ्वी के अरबों वर्ष पुराने होने की अनुमति देते हैं? क्या पृथ्वी अरबों वर्ष पुरानी है या पृथ्वी केवल दसियों हजार वर्ष पुरानी है? पृथ्वी कितनी पुरानी है इस पर बड़ी बहस चल रही है। तो इन छंदों के बीच संबंध कुछ लोगों को विभिन्न विकल्प कहने की अनुमति देगा।

सी. उत्पत्ति 1:1 और 1:2: अंतराल सिद्धांत [4:53-6:50]

अब, इस पहले दृष्टिकोण को "गैप थ्योरी" कहा जाता है। यह "गैप थ्योरी" है, जिसके द्वारा यह माना गया था - क्या किसी ने कभी फिलाडेल्फिया से स्कोफील्ड संदर्भ बाइबिल के बारे में सुना है? क्या कोई फिलाडेल्फिया से है? स्कोफील्ड रेफरेंस बाइबिल, फिलाडेल्फिया कॉलेज ऑफ द बाइबिल, जिसे अब फिलाडेल्फिया बाइबिल यूनिवर्सिटी या जो कुछ भी कहा जाता है - का यही दृष्टिकोण था। गैप थ्योरी इस प्रकार कहती है: "शुरुआत में भगवान ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया।" तो वहाँ एक प्रारंभिक "व्हाम बैम" था। भगवान ने सामान बनाया. "शुरुआत में भगवान ने आकाश और पृथ्वी की रचना की।" "तब पृथ्वी अंधकारमय और शून्य, निराकार और खाली हो गई।" जब परमेश्वर ने मूल रूप से चीज़ें बनाई, तो क्या उसने उन्हें अच्छा बनाया? प्रकाश था, लेकिन फिर वह अंधकार, निराकार और खाली हो गया। गैप थ्योरी से पता चलता है कि यही वह समय है जब शैतान पृथ्वी पर गिर गया। शैतान प्रकाश का एक देवदूत है जिसे उत्पत्ति 1:2 में यहाँ पृथ्वी पर फेंक दिया गया था। इसीलिए यह अंधकार का काल है और यही वह समय है जब शैतान ने डायनासोर बनाए। यहीं पर डायनासोर फिट बैठते हैं। शैतान डायनासोर, पृथ्वी पर अराजकता और इस तरह की चीजों का निर्माता है। इसलिए शुरुआत में, भगवान ने आकाश और पृथ्वी की रचना की। तब शैतान को पृथ्वी पर गिरा दिया जाता है। तब शैतान पृथ्वी पर अपना काम करता है। फिर शैतान के अपना काम करने के बाद आपके पास क्या है, भगवान कहते हैं, "वहां उजियाला हो" और वहां उजियाला है। तब आपके पास सृष्टि के सात दिन हैं। लेकिन सृष्टि के सात दिन वास्तव में किस चीज़ के सात दिन हैं? मनोरंजन. इस दृष्टिकोण के लिए, सृष्टि के सात दिनों में ईश्वर सुधार कर रहा है और शैतान ने जो

गड़बड़ कर दी है उसे फिर से बना रहा है।

इसलिए इसे गैप थ्योरी कहा जाता है। क्या आप देखते हैं कि इसे गैप थ्योरी क्यों कहा जाता है? क्योंकि आपने यहाँ ईश्वर को बनाते हुए पाया है (उत्पत्ति 1:1) - यहाँ एक अंतराल है जहाँ शैतान आता है और अराजकता आती है, निराकार और खाली (उत्पत्ति 1:2) - और फिर यहाँ ईश्वर फिर से शुरू होता है (उत्पत्ति 1:2) . 1:3) "उजाला होने दो" के साथ। तो यह श्लोक दो है, जहाँ एक अंतराल है।

डी. गैप थ्योरी का विश्लेषण [6:51-11:57]

अब गैप थ्योरी का समर्थन करने के कारण हैं और मुझे यहां कुछ कारणों के बारे में बताने दीजिए - गैप थ्योरी के पक्ष और विपक्ष। हिब्रू शब्द *हयाह*, जो क्रिया "होना" या "बनना" है। हिब्रू शब्द *हयाह* का अर्थ है "है" या "बनना"। इसका मतलब कोई भी हो सकता है, और इसलिए ये लोग कहते हैं कि *हया* का मतलब है "बन गया।" इस प्रकार पृथ्वी निराकार और खाली हो गई। भगवान ने मूल रूप से इसे अच्छा बनाया, और फिर पृथ्वी [*हया*] निराकार और खाली हो गई। अंधेरा हो गया। भगवान ने मूल रूप से इसे हल्का बनाया था। उसने इसे बनाया और यह बन गया। तो यह शब्द "बनना" कहता है कि शैतान नीचे आया और जो कुछ परमेश्वर ने मूल रूप से बनाया था उसे विकृत कर दिया। यह स्पष्ट करता है - क्या आपने कभी सोचा कि शैतान कब बुरा हुआ? वैसे, क्या शैतान उत्पत्ति अध्याय तीन में साँप और उस सब के साथ दिखाई देता है? तो वह अध्याय तीन में पृथ्वी पर है, वह वास्तव में कब बुरा हुआ? तो यह इस गैप थ्योरी के साथ शैतान को एक जगह देता है। वे कह रहे हैं कि जब शैतान को पृथ्वी पर गिरा दिया गया तो पृथ्वी निराकार और खाली हो गई (उत्पत्ति 1:2)। वह प्रकाश का एक देवदूत था जिसे इस समय अवधि के दौरान पृथ्वी पर उतारा गया था। इसका समर्थन करने के लिए लोग जिन कुछ अंशों का उपयोग करते हैं वे यशायाह 14 और ईजेकील 28 हैं - वे हमें शैतान के करियर के बारे में थोड़ा बताते हैं। यशायाह 14 बहुत संदिग्ध है, ईजेकील 28 के पास इस पर बेहतर प्रयास हो सकता है। लेकिन शैतान के प्रारंभिक कार्य को स्पष्ट करने के लिए, *तो- हू वा-वो-हू*. यह टोफू नहीं है, यह *टू- हू है वा-वो-हू*, और इसका अर्थ है "निराकार और खाली।" मूल रूप से निराकार, और मुझे लगता है कि किंग जेम्स संस्करण "शून्य" या कुछ और कहता है। यह "निराकार और खाली है।" "और पृथ्वी निराकार और खाली हो गई," *तो- हू वा-वो-हू*.

गैप थ्योरी रखने वाले लोग यिर्मयाह 4:23 पर कूद पड़ते हैं, और वे कहते हैं, "अरे, एक बयान है- *हु वा-वो-हु*, 'निराकार और खाली।'" इसका उपयोग यिर्मयाह में पाप पर निर्णय के रूप में किया जाता है। इसलिए यह शैतान के साथ जुड़ता है और उसके पाप पर निर्णय देता है। यह उन बेचारे डायनासोरों को जगह देता है जिन्हें कहीं न कहीं जाने की ज़रूरत होती है। तो यह उन्हें अंदर डालता है। शैतान अपना काम करता है, वह डायनासोर बनाता है। क्या शैतान अक्सर परमेश्वर के कार्यों की नकल करता है? तो अब भगवान कुछ चीजें बनाने जा रहा है इसलिए शैतान चीजों को बनाने में गड़बड़ी करने की कोशिश करता है। वे बड़े हैं और उनके दांत हैं, और लोगों को खाते हैं। खैर वास्तव में, वहाँ कोई लोग नहीं थे, तो बस इतना ही।

अब, यहां गैप थ्योरी पर कुछ नकारात्मक बातें हैं। यिर्मयाह 4:23 से 4:26, वास्तव में तोहू का उल्लेख *करता है वा-वो-हु* "निराकार और खाली", लेकिन यिर्मयाह में यह पाप पर निर्णय है। लेकिन क्या उत्पत्ति 1 में पाप का कोई उल्लेख है? क्या उत्पत्ति अध्याय दो में पाप का कोई उल्लेख है? पाप आता है, उत्पत्ति अध्याय में क्या? 3, साँप के साथ. तो ये लोग गैप थ्योरी में क्या कर रहे हैं, क्या वे पाप को उस संदर्भ में पढ़ रहे हैं? क्या अध्याय एक और दो के संदर्भ में कोई पाप है? नहीं, तो यह उनके द्वारा इसे वापस लेने का एक प्रक्षेपण है, और सवाल यह है कि यह संदर्भ से बाहर लगता है क्योंकि उत्पत्ति 1 में पाप का कोई उल्लेख नहीं है। ऐसा लगता है कि यह उस संदर्भ में कुछ घसीट रहा है जो वहां नहीं होना चाहिए। क्या उत्पत्ति 1 या 2 में मुद्दा शैतान का है? क्या वास्तव में मुद्दा शैतान है? क्या शैतान का कहीं उल्लेख है? नहीं, यहां तक कि जब वह साँप के भेष में प्रकट होता है, तो क्या उसका उल्लेख वास्तव में शैतान के रूप में किया जाता है या बोलने वाले साँप के रूप में? सर्प। हमें प्रकाशितवाक्य की पुस्तक से पता चलता है कि पुराना साँप-अजगर हमें बताता है कि साँप शैतान था। लेकिन आपको उसके साथ काम करना होगा. तो शैतान मुद्दा नहीं है. उन्होंने शैतान को उत्पत्ति 1:2 में डाल दिया। यह फिर से संदर्भ से बाहर लगता है। इसका कोई संदर्भ नहीं है. शब्द "अंधेरा बन गया" को वैसे ही पढ़ा जाना चाहिए जैसे आपके सभी आधुनिक अनुवाद करते हैं: "था।" "पृथ्वी निराकार और खाली थी।" पृथ्वी निराकार और खाली "नहीं" हुई, "पृथ्वी" थी। "शुरुआत में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की, और पृथ्वी निराकार और खाली थी।"

अब, क्या इसका कोई मतलब है? क्या गैप सिद्धांत पुरानी पृथ्वी की अनुमति देता है? गैप थ्योरी के साथ, क्या यह संभव है कि शैतान कुछ अरब वर्षों से यहाँ गड़बड़ कर रहा था? हाँ। तो यह संभव है. गैप थ्योरी एक पुरानी पृथ्वी की अनुमति देती है। क्या गैप थ्योरी वास्तव में डायनासोरों के लिए जगह देती है? हाँ ऐसा होता है। तो यह सिद्धांत 1950 या 1960 के दशक में सामने आया, और स्कोफील्ड बाइबिल द्वारा सामने रखा गया। मेरे पिताजी ने यह सिद्धांत रखा।

ई. उत्पत्ति 1:1 और 1:2: आश्रित उपवाक्य सिद्धांत [11:58-13:59]

अब, उत्पत्ति 1:1 और उत्पत्ति 1:2 के बीच संबंध को देखने का एक और तरीका यहां दिया गया है। देखें कि आपके कुछ अनुवादों में उत्पत्ति का अनुवाद कैसे किया गया है। मुझे लगता है कि पुराना आरएसवी, इसका अनुवाद इस प्रकार करता है: उत्पत्ति 1:1। उत्पत्ति 1:1 आपके दिमाग में कैसे शुरू होता है? "शुरुआत में, भगवान ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया," सही है? यहां बताया गया है कि कुछ लोग [आरएसवी] उस पहली कविता का अनुवाद कैसे करते हैं: "जब भगवान ने निर्माण करना शुरू किया, तो पृथ्वी आकारहीन और शून्य थी, और गहरे के ऊपर अंधेरा था।" क्या इससे अर्थ बदल जाता है? "जब भगवान ने रचना शुरू की, तो पृथ्वी बिना आकार की और खाली थी।" क्या वह अलग है? यह श्लोक क्या मानता है? पृथ्वी पहले से ही वहाँ थी और परमेश्वर केवल स्वर्ग और पृथ्वी को आकार देने और बनाने के लिए नीचे आये। अब, वैसे, क्या वह उस तरीके से भिन्न है जिस तरह से आप उसे सामान्यतः पढ़ते हैं? "शुरुआत में भगवान ने आकाश और पृथ्वी की रचना की।" इस दृश्य को निर्भरता खण्ड दृश्य कहा जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि पहला श्लोक दूसरे श्लोक पर निर्भर है। "जब भगवान ने रचना शुरू की, तो पृथ्वी बिना आकार की और खाली थी।" जब उसने निर्माण करना शुरू किया तो पृथ्वी पहले से ही वहाँ मौजूद थी। क्या बाइबल यही कह रही है? पृथ्वी तो वहीं थी और ईश्वर ने उसे आकार दिया। तो यह दृष्टिकोण है: "जब भगवान ने पृथ्वी का निर्माण करना शुरू किया, तो यह बिना आकार के थी, और भगवान ने कहा, 'वहाँ प्रकाश हो।'" तो फिर, यह माना जाता है कि भगवान के सामने क्या आता है? पृथ्वी पहले से ही वहाँ है. इसलिए स्वर्ग और पृथ्वी परमेश्वर की तरह शाश्वत हैं। ईश्वर केवल आकाश और पृथ्वी को आकार देता है। इस आश्रित खण्ड दृष्टिकोण का यही मत है।

एफ. आश्रित खण्ड दृश्य का विश्लेषण [14:00-14:44]

इसलिए, ईमानदारी से कहूँ तो, मुझे इस दृष्टिकोण से समस्या है। इससे पाठ का अर्थ कैसे बदल जाता है? खैर, यह क्या करता है यह कहता है कि तीन चीजें शाश्वत हैं, सिर्फ भगवान नहीं। ईश्वर आकाश और पृथ्वी की रचना नहीं करता, ऐसा नहीं है कि ईश्वर बोलता है और वे अस्तित्व में आ जाते हैं। वे पहले से ही वहाँ हैं। ईश्वर केवल उन्हें आकार देता है और गढ़ता है। तो ये नजारा बिल्कुल अलग है।

इस दृष्टिकोण की समस्याएँ क्या हैं? मुझे लगता है कि हम यहाँ यही कह रहे हैं: यह कहता है कि तीन चीजें शाश्वत हैं: पदार्थ, ऊर्जा और ईश्वर। ईश्वर केवल पदार्थ और ऊर्जा के साथ कार्य करता है। पदार्थ और ऊर्जा पहले से ही अस्तित्व में हैं, और ईश्वर उन्हें केवल आकार देता है। मुझे लगता है कि यह एक समस्या है - मुझे नहीं लगता कि बाइबल ऐसा कह रही है। लेकिन आरएसवी ने यही कहा।

जी. उत्पत्ति 1:1 और 1:2: स्वतंत्र खंड दृश्य [14:45-20:25]

अब, यहाँ स्वतंत्र खंड दृश्य है। हमारे पास अंतराल सिद्धांत था - उत्पत्ति 1 और 2 के बीच एक अंतर है, जिसमें शैतान शामिल है। डिपेंडेंट क्लॉज व्यू में कहा गया कि पृथ्वी पहले से ही वहाँ थी और भगवान ने बस इसे आकार दिया। यह निराकार और खाली था और भगवान ने बस इसे बनाया और भर दिया। इंडिपेंडेंट क्लॉज व्यू इस प्रकार है। एक प्रारंभिक रचना है। "शुरुआत में, भगवान ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया।" व्हाम बाम--ईश्वर स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माण करता है। यह एक सारांश शीर्षक की तरह है, यह एक सारांश स्वतंत्र खंड है जो सृजन के प्रारंभिक कार्य का सारांश देता है। "शुरुआत में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की।" यह स्वतंत्र उपवाक्य अपने आप में कायम है। दूसरा श्लोक एक नकारात्मक परिस्थितिजन्य उपवाक्य है। यह कहता है, जब परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की, तो शुरू में यह कैसा था? यह निराकार और खाली था। जब परमेश्वर ने मूल रूप से इसे बनाया था, तो क्या उसने इसे "निराकार और खाली बनाया था और गहरे पानी के ऊपर अंधकार था और परमेश्वर की आत्मा पानी के ऊपर मँडरा रही थी"? अब, जब भगवान ने पृथ्वी बनाई, तो क्या उन्होंने इसे परिपूर्ण बनाया या क्या उन्होंने अचानक ही वेम बैम और सब कुछ

वहां मौजूद था। सभी जानवर वहाँ थे, क्या वह बस वहाँ गया था और सब कुछ वहाँ था? क्या उन्हें फॉर्म भरने और भरने में समय लगा? इसलिए जब उन्होंने मूल रूप से इसे बनाया, तो यह निराकार और खाली था। फिर सृष्टि के सात दिनों में, वह इसे बनायेगा, वह इसे आकार देगा, और वह इसे भरेगा। तो यह एक नकारात्मक बात है - ध्यान दें यह एक नकारात्मक चीज़ है। उसने मूल रूप से आकाश और पृथ्वी को बनाया, और वे निराकार और खाली थे। वह निराकारता और शून्यता पर कैसे प्रतिक्रिया करता है? वही इसे बनाता है और वही इसे भरता है। फिर मुख्य उपवाक्य है: "परमेश्वर ने कहा, 'उजियाला हो और उजियाला हो गया,' उत्पत्ति 1:3 में। तो फिर आपके पास मुख्य उपवाक्य है। तो यह एक प्रकार का इसका प्रवाह है।

आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांट, आप यह विचार रखते हैं, आप अन्य लोगों की तुलना में यह विचार क्यों रखते हैं?" अच्छा, क्या लेखक एक निश्चित शैली के साथ लिखेंगे? क्या आपकी कोई निश्चित साहित्यिक शैली है? यदि मैंने संभवतः आपके द्वारा लिखा गया दस या बीस पेज का दस्तावेज़ पढ़ा, और आपने मुझे एक और दस्तावेज़ दे दिया; क्या मैं बता पाऊंगा कि यह आपके द्वारा लिखा गया था या आपके द्वारा नहीं लिखा गया था? हां, मुझे लगता है कि मैं बहुत से लोगों के लिए बता सकता हूँ। कुछ लोग नहीं, लेकिन मैं बहुत से लोगों के बारे में बता सकता हूँ। लोग एक निश्चित शैली के साथ लिखते हैं। मूसा इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि यह कैसे काम करता है: "शुरुआत में भगवान ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया, पृथ्वी निराकार और खाली थी, और फिर "वहाँ प्रकाश हो और वहाँ प्रकाश हो।" तो यह एक स्वतंत्र उपवाक्य, एक नकारात्मक परिस्थितिजन्य उपवाक्य और फिर मुख्य उपवाक्य है। यह एक तरह से उसकी संरचना ही है। स्वतंत्र खण्ड दृश्य, मूसा कैसे लिखता है?

अब, मुझे कैसे पता चलेगा कि मूसा कैसे लिखता है? मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे उत्पत्ति की पुस्तक मिली है जो मूसा द्वारा लिखी जाने का दावा करती है, इसलिए मैं अगले अध्याय को देखता हूँ। अनुमान लगाओ कि अगले अध्याय में मुझे क्या मिलेगा? श्लोक 4 से शुरू करते हुए, अध्याय 2 में, आपको मिलेगा, "यह आकाश और पृथ्वी का वृत्तांत है जब वे बनाए गए थे।" यह एक सारांश कथन की तरह है - "यह आकाश और पृथ्वी का वृत्तांत है जब वे बनाए गए थे।" तो अगला श्लोक क्या कहता

है? यह कहता है, "जब यहोवा ने पृथ्वी और आकाश को बनाया, तो मैदान में कोई झाड़ी नहीं थी (जो अभी तक पृथ्वी पर दिखाई दी थी), मैदान में कोई पौधा नहीं था, और भगवान ने बारिश नहीं की थी।" क्या वे सभी नकारात्मक चीज़ें हैं जो परमेश्वर ने अभी तक नहीं की हैं? न झाड़ियाँ, न पौधे, न वर्षा। तो आपको यह नकारात्मक परिस्थितिजन्य खंड मिलता है जिसमें कहा गया है कि कोई पौधा नहीं है, कोई झाड़ियाँ नहीं हैं, और कोई बारिश नहीं है। यह आपको उन सभी नकारात्मक चीज़ों के बारे में बताता है जो वहां नहीं हैं। फिर आप मुख्य उपवाक्य पर प्रहार करें। मुख्य उपवाक्य अध्याय 2 श्लोक 7 में है, "प्रभु परमेश्वर ने मनुष्य को भूमि की धूल से बनाया।"

अध्याय एक, अध्याय दो से किस प्रकार भिन्न है? अध्याय एक में, क्या ईश्वर आकाश के साथ काम करता है, और ऊपर और नीचे के पानी को अलग करता है? यह विश्व के बारे में है, यह ब्रह्मांड के बारे में है। अध्याय दो में मनुष्य पर ध्यान केंद्रित किया गया है। तो आपको अध्याय एक (जो सात दिन और ब्रह्मांड का निर्माण है) और अध्याय दो के बीच यह विरोधाभास मिला है। अध्याय दो में, वह कहता है, "मैं अब आदम और हव्वा पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूँ," और इसलिए वह इसे और अधिक विस्तार से विकसित करता है। उन्होंने अध्याय एक में आदम और हव्वा का उल्लेख किया था, लेकिन अब वह और अधिक विस्तार से बताते हैं कि कैसे उन्होंने आदम को बनाया और वास्तव में उसे आकार दिया और कैसे उन्होंने हव्वा को बनाया।

तो क्या यह स्वतंत्र उपवाक्य, नकारात्मक परिस्थितिजन्य उपवाक्य और मुख्य उपवाक्य अनुक्रम बिल्कुल वही संरचना है जिसका उपयोग उन्होंने अध्याय एक में किया था? हाँ। तो मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि अध्याय दो में यह संरचना हमें यह समझने में मदद करती है कि अध्याय एक को कैसे समझा जाना चाहिए। समझ आया? मैं मूसा को समझने के लिए मूसा का उपयोग करने का प्रयास कर रहा हूँ। वैसे भी, मैं इसी पद्धति का उपयोग करने का प्रयास कर रहा हूँ और मुझे लगता है कि यह यहां बहुत अच्छी तरह से काम करती है।

वैसे, मुझे गैप थ्योरी के बारे में कहना चाहिए कि अब गैप थ्योरी को कोई नहीं मानता, वैसे मेरे पिता मर चुके हैं (मैं ऐसा मजाक में नहीं कहता) लेकिन गैप थ्योरी को मानने वाले ज्यादातर लोग ऐसा ही करते हैं। . इसे बदनाम किया गया है. वेस्टन फील्ड्स नाम का एक लड़का था, वह मेरा दोस्त है,

जिसने दो सौ पेज की किताब लिखी जिसने गैप थ्योरी को नष्ट कर दिया। वेस्टन ने मूलतः इसे शांत कर दिया। अब उसे कोई नहीं रखता। व्याकरण के अलावा, यह हिब्रू व्याकरण में फिट नहीं बैठता है। यह उस साहित्यिक संरचना का खंडन करता है जिसका उपयोग मूसा करता है और, वैसे, यह शैतान के साथ हमारी मदद नहीं करता है। शैतान उत्पत्ति 1 या 2 में नहीं है। साहित्यिक पैटर्न का पालन करें।

एच. उत्पत्ति के बाहर रचना पाठ: भजन 19 [20:26-21:55]

अब, क्या सृष्टि ईश्वर के अस्तित्व के लिए तर्क करती है? बाइबिल में उत्पत्ति 1 के अलावा कुछ खूबसूरत अनुच्छेद हैं, जो सृष्टि के बारे में बात करते हैं। मैं आपको उनमें से कई दिखाने जा रहा हूँ। उनमें से एक भजन संहिता की पुस्तक का उन्नीसवाँ अध्याय है। भजन संहिता का उन्नीसवाँ अध्याय कुछ इस प्रकार है, यह कहता है: "आकाश परमेश्वर की महिमा का बखान करता है। आकाश उसकी करतूत दिखाता है। दिन-ब-दिन वे भाषण देते हैं; रात-दर-रात वे ज्ञान देते हैं।" दूसरे शब्दों में, स्वर्ग परमेश्वर की महिमा की घोषणा करता है। यदि आप डॉ. पेरी फिलिप्स की तरह होते, जिन्होंने कल बिग बैंग पर भाषण दिया था, वह एक खगोलशास्त्री हैं, तो क्या आपको ब्रह्मांड में देखने और ईश्वर की करतूत को देखने के लिए खगोल विज्ञान का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए? क्या खगोल विज्ञान ईश्वर की महिमा का बखान करता है? दूसरे शब्दों में, यहाँ आपके पास परमेश्वर का वचन है। यह बाइबिल है। यह भगवान का वचन है। क्या हम परमेश्वर के बारे में उसके वचनों से कुछ बता सकते हैं? हाँ। क्या यह सबसे स्पष्ट है? भगवान ने हमें बताया है कि वह यहाँ कैसा है। क्या आप भी ईश्वर के कार्यों को देख कर उनके बारे में कुछ बता सकते हैं? आपको परमेश्वर का वचन मिल गया है (वह निर्दोष और परिपूर्ण है)। तुम्हें उसका वचन मिल गया है और प्रेरणा के माध्यम से वह भविष्यवक्ताओं को दिया गया है, परन्तु तुम्हें परमेश्वर का कार्य भी मिल गया है। इसलिए ईश्वर का कार्य सृष्टि में दिखाई देता है, इसलिए आप सृष्टि से ईश्वर के बारे में कुछ सीख सकते हैं। "स्वर्ग परमेश्वर की महिमा का बखान करता है।" तो परमेश्वर के कार्य को देखने के संदर्भ में, भजन 19 उस पर सहायक है।

I. आधुनिकता और चमत्कार [21:56-26:28]

अब, आधुनिकता, मेरी पीढ़ी में ये लोग मूल रूप से कहते थे कि ब्रह्मांड तर्कसंगत और प्राकृतिक है; वहाँ भगवान के लिए कोई जगह नहीं है। वहाँ ईश्वर के लिए कोई जगह नहीं है क्योंकि हर

चीज़ को कारण और प्रभाव से समझाया जा सकता है। यह एक बंद व्यवस्था थी। ब्रह्मांड एक बंद प्रणाली है जिसे कारण और प्रभाव द्वारा समझाया गया है। कोई चमत्कार नहीं हैं; ईश्वर वास्तविक स्थान और समय में कार्य नहीं कर सकता। कोई चमत्कार नहीं हैं। चमत्कार मौजूद नहीं हो सकते। सब कुछ प्राकृतिक कारणों से है और इसलिए चमत्कार मौजूद नहीं हैं। हर चीज़ शुरुआत से लेकर कारण और प्रभाव, कारण और प्रभाव, कारण और प्रभाव के तार्किक नियमों का पालन करती है। आरंभ में कोई ईश्वर नहीं है, वहां कुछ भी नहीं है। वैसे, समस्या क्या है? यदि आपके पास कोई चमत्कार है, यदि लाल सागर अलग हो जाए और लोग उस पार चले जाएं तो क्या यह एक प्राकृतिक घटना है? नहीं, फिर आप पार हो जाते हैं और फिर आगे क्या होता है? ओह, यह नीचे चला जाता है, और सभी मिस्रवासी डूब जाते हैं। आप कहते हैं, "हम्म, यह बहुत भाग्यशाली था।" या आप कहते हैं, "नहीं, नहीं - पानी ऐसे नहीं खुलता।" मैंने हमेशा अपनी कक्षा को पढ़ाया है, मैं अब टेप पर हूं लेकिन मुझे इसे वैसे भी करने की ज़रूरत है। आप लोग किसी दिन बाहर जाकर नौकरी पाने वाले हैं, और यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि आप शिक्षा के अलावा वास्तविक जीवन से निपटने के कुछ कौशल सीखें। इसलिए मैं आज आपको प्लंबिंग के बारे में पढ़ाना चाहता हूं। आपको दो चीजें जानने की ज़रूरत है और फिर आप प्लंबर बन सकते हैं। दो चीजें हैं जो आपको जानना आवश्यक है। पानी नीचे की ओर बहता है, और शुक्रवार को भुगतान होता है। समझ गया? पानी नीचे की ओर बहता है, और शुक्रवार को भुगतान होता है। अब हम सभी जो-प्लंबर हैं। तो आप जा सकते हैं और कह सकते हैं, अपना बायोडाटा डालो, मैं एक प्लंबर हूं। वैसे भी, मैं मजाक कर रहा हूं, लेकिन वास्तव में नहीं।

मैं यहां जो कहना चाह रहा हूं, वह यह है कि जब पानी एक तरफ दीवार और दूसरी तरफ दीवार से अलग हो जाता है और लोग बीच में चलते हैं। आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूं, पानी नीचे की ओर बहता है। वह काम नहीं करता। तो यह एक चमत्कार है। कमाल हो गया। भगवान उस तरह का काम करता है। यह प्राकृतिक नहीं है। इसलिए 19वीं और 20वीं सदी के आधुनिकतावादियों ने कहा कि बाइबिल में कोई भी चमत्कार महज़ किंवदंतियाँ हैं। ऐतिहासिक रूप से कोई चमत्कार नहीं हुआ। किसी ने उन्हें बनाया है; वे महज़ किंवदंतियाँ हैं। वह आधुनिकता थी।

आप लोग उस समय में रहते हैं जिसे उत्तर-आधुनिकता कहा जाता है। उत्तर-आधुनिकता में,

वे अब अलग तरह से सामने आते हैं क्योंकि हर किसी की अपनी कहानी होती है। प्रश्न: क्या आपकी पीढ़ी चमत्कारों में विश्वास करती है? क्या आपकी पीढ़ी उन चीजों पर विश्वास करती है जो घटित होती हैं और शानदार होती हैं, आप इसे हर समय देखते हैं। तो आपने ऐसी चीजें देखी हैं जो अविश्वसनीय हैं। चमत्कार इस पीढ़ी को बिल्कुल भी परेशान नहीं करते। हर किसी की अपनी-अपनी कहानी है, लेकिन भगवान की कहानी अधिकांश के लिए अप्रासंगिक है। ईश्वर मेरी कहानी का हिस्सा नहीं है इसलिए आप उसे अनदेखा कर सकते हैं। लेकिन जरूरी नहीं कि आपकी पीढ़ी में चमत्कारिक चीज के खिलाफ लड़ाई लड़ी जाए। आपकी पीढ़ी चमत्कारों को कोई बड़ी बात नहीं मान सकती। वैसे, क्या यह कोई डील है? जब भगवान कोई चमत्कार करता है तो यह बहुत बड़ी बात होती है। वैसे भी, उत्तर-आधुनिकता अधिक खंडित है। आधुनिकता में सब कुछ तार्किक था, जुड़ा हुआ था, बंद ब्रह्मांड एक घड़ी की तरह काम करता था। आपकी पीढ़ी, आप देखते हैं कि कुछ भी काम नहीं करता है। सही? ओह, यह सही है, आपको लगता है कि मैं सरकार के बारे में बात कर रहा हूँ, आप सही हैं? वैसे भी, आप देखते हैं कि कितनी सारी चीजें हैं, मुझे कैसे कहना चाहिए, मुझे परिवारों में भी जाने दो। हम अभी अपनी बेटी की शादी में गए थे। मैं अपने परिवार के साथ मजदूर दिवस का जश्न मनाने के लिए सप्ताहांत में ओहायो चला गया। सभी बच्चे वहां थे, वास्तव में यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा समय था। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। उसकी शादी हो गयी। प्रश्न: क्या जीवन अस्त-व्यस्त है? जीवन अस्त-व्यस्त है! हाँ, यह सचमुच अराजक है। आप जानते हैं, आप उन परिवारों से मिल रहे हैं जो अलग हो गए हैं। मैं गारंटी देता हूँ कि आपमें से अधिकांश ने परिवारों में तलाक, बेवफाई और सभी प्रकार की चीजें देखी होंगी। Life अक्सर उल्टा होता है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आज दुनिया ऐसी ही है। आधुनिकता का यह पुराना क्रम, हर चीज़ का तार्किक रूप से जुड़ा होना अब सब कुछ उल्टा होने का रास्ता देता है। सब कुछ खंडित है। किसी का भी कुछ मतलब नहीं; यह सब टूट कर बिखर गया है। आपको बस इसे वहीं से पकड़ना है जहां से आप ले सकते हैं।

जे. मूसा और उत्पत्ति के लिए उनके स्रोत [26:29-28:18]

मूसा को उसकी सामग्री कहाँ से मिली? जब मैं छोटा था, तो मुझे लगता था कि भगवान शायद अभी-अभी नीचे आए हैं और उनमें यह शक्ति समा गई है। हो सकता है कि उसने अपने सिर के पीछे

एक चिप लगा दी हो - वह मैट्रिक्स थी। हम वास्तव में ऐसा नहीं कर सकते. वैसे भी, बस उसके सिर के पीछे एक चिप लगा दी और उसके दिमाग में चीजें डाउनलोड कर दीं और मुझे लगा कि यही हुआ। मूसा इसे लिखता है. परमेश्वर कहते हैं, “ *बेशशेत।* ” *बारा' एलोहीम;*” और मूसा कहता है, "ठीक है, भगवान, धीरे करो, मेरे यहाँ कंप्यूटर पर एक धीमा कीबोर्ड है।" वह इसे टाइप करता है और लिखता है। परमेश्वर ने इसे उसके मस्तिष्क में दबा दिया और परमेश्वर ने उससे शब्दों में बात की और मूसा ने इसे लिख लिया।

वैसे, कुछ भविष्यवक्ताओं के लिए, क्या परमेश्वर ने आकर उनसे बात की और उन्होंने इसे वहीं पर लिख दिया? यिर्मयाह ने यह किया [जेर 36]। न केवल उसने इसे एक बार किया, बल्कि यिर्मयाह ने इसे लिखा भी; और भगवान कहते हैं, "ठीक है, यिर्मयाह, यह बात लिख लो।" सबसे पहले, वह कहता है, "यिर्मयाह एक मुंशी लाओ और मैं तुम्हें बताऊंगा, तुम एक मुंशी को बता सकते हो कि क्या लिखना है।" यिर्मयाह कहता है, “ यहोवा यों कहता है ,” वह मुंशी के पास जाता है, और मुंशी उसे लिखता है। वह इसे राजा के पास ले जाता है। राजा क्या करता है? राजा मुंशी से ईश्वर का वचन लेता है, सीधे ईश्वर से - वह मूल रूप से इसे टुकड़ों में तोड़ देता है और पूरी चीज़ को जला देता है। यह, "पवित्र गाय, परमेश्वर का वचन अभी धूँ में उड़ गया," सही है? भगवान क्या कहते हैं? "यिर्मयाह, यहाँ वापस आओ।" उसे मूलतः मुंशी मिल जाता है और वह इसे दोबारा करता है। इस बार, यह राजा के चेहरे पर है. प्रश्न: आप परमेश्वर का वचन जलाते हैं, आपका क्या होता है? बुरी चीजें। यह अच्छा विचार नहीं है. यिर्मयाह ने यह किया और यह बाइबिल में है; आप वह राजा नहीं बनना चाहते। तो, वैसे भी, राजा ने इसे नष्ट करने की कोशिश की। क्या यिर्मयाह ने वह पाठ दो बार लिखवाया था? उन्होंने इसे दो बार लिखवाया और लेखक ने इसे दो बार लिखा। वैसे भी, कभी-कभी भगवान सीधे बात करते हैं। मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि कभी-कभी भगवान नीचे आते हैं, कभी-कभी वह बोलते हैं और कभी-कभी यह सुनाई देता है। कभी-कभी यह सुनाई नहीं देता. कुछ लोगों ने वास्तव में इसे सुना। कभी-कभी यह बात उनके मन में होती थी.

के. एनुमा एलीश और गिलगमेश महाकाव्य [28:19-30:49]

आप इससे क्या करते हैं? आप एनुमा के साथ क्या करते हैं? एलीश ? यह एक बेबीलोनियाई

निर्माण खाता है। आप बेबीलोनियन सृजन खाते के साथ क्या करते हैं? वैसे, क्या आपने कभी इस लड़के गिलगमेश के बारे में सुना है? पहले मुझे गिलगमेश करने दीजिए क्योंकि वह शायद आप लोगों से अधिक परिचित है। लेकिन गिलगमेश, क्या वह मूसा से पहले का है? मूसा से कई सौ वर्ष पहले। क्या वह मूसा से नकल कर सकता था? नहीं, वह मूसा से सैकड़ों वर्ष पहले का है। गिलगमेश के पास उत्तापिष्टिम है, हम उसे संक्षेप में उताप कहेंगे। उताप बाहर जाता है और देवता उसके सामने आते हैं और उसे एक नाव बनाने के लिए कहा जाता है। तो उत्तानपिष्टिम अपनी नाव बनाता है और वैसे ही ये सभी जानवर नाव के पास आ जाते हैं। ये जानवर, साथ ही उसका परिवार, और साथ ही अन्य लोगों का एक पूरा समूह; उन्होंने उसे नाव पर बिठाया। वह थोड़ी देर के लिए नाव पर है; बाढ़ आती है, नाव उठा लेती है, लोगों को डुबा देती है। वैसे, गिलगमेश महाकाव्य में, लोगों को बाढ़ से क्यों नष्ट किया गया? हाँ, वे बहुत तेज़ थे। देखिए, आप वह रैप संगीत करते हैं, आप देखते हैं कि आपके साथ क्या हो सकता है? ठीक है। वैसे भी, यह बहुत तेज़ था - कोई भारी धातु नहीं। देवता बस इस बात से परेशान थे कि मानव जाति बहुत अधिक शोर मचा रही है, इसलिए उन्होंने उन्हें डुबो दिया। इसलिए वे उन्हें बाहर निकाल देते हैं। लेकिन वैसे, जब वे नाव में होते हैं, जैसे ही बाढ़ कम होती है, उताप नाव से कैसे उतरता है? क्या वह कुछ पक्षी भेजता है? हाँ। वह कुछ पक्षी भेजता है। तो आपके पास एक आदमी है, एक नाव बनाता है, अपने परिवार और जानवरों को उसमें ले जाता है, नाव ऊपर उठती है, नाव नीचे जाती है। वह पक्षियों को बाहर भेजता है, और फिर बाहर आ जाता है। क्या यह काफ़ी परिचित लग रहा है? क्या मूसा को गिलगमेश की कहानी पता थी? दिलचस्प।

क्या मूसा को एनुमा की कहानी पता थी? एलीश , सृजन खाता जो बेबीलोन से आता है? फिर, यह मूसा के समय से पहले का है। आपके पास एक दिव्य आत्मा और आदिम अराजकता है। प्रकाश देवताओं से निकलता है (बहुवचन)। आकाश का निर्माण होता है, शुष्क भूमि का निर्माण होता है, प्रकाशमानों का निर्माण होता है और ध्यान दें, मनुष्य का निर्माण सबसे बाद में होता है। फिर उसके बाद देवताओं ने विश्राम किया। क्या बुनियादी संरचना के संदर्भ में यह परिचित लगता है? क्या यह संभव है कि मूसा ने सामग्री की नकल की और गिलगमेश महाकाव्य और एनुमा को एक छोटे से फुटनोट में लिखना भूल गया? एलीश ? क्या वहां समानताएं हैं? हां, वहां हैं। एल. गिलगमेश और

एनुमा का विश्लेषण एलिश [30:50-31:35]

यहां किसी ने कुछ प्राचीन निकट पूर्वी अध्ययन किया है और आप कहते हैं, " हिल्डेब्रांट, आपने उन्हें नकली बना दिया क्योंकि आपने उन्हें वास्तविक सच्चाई नहीं बताई। आपने वह सामग्री चुनी जो समान है और वह सारी सामग्री हटा दी जो असमान है। क्या आप जानते हैं कि देवताओं ने प्राचीन विश्व की रचना कैसे की? देवताओं में मूल रूप से युद्ध हुआ और उन्होंने देवताओं में से एक को ले लिया और उसे दो हिस्सों में काट दिया और शरीर के एक हिस्से से पृथ्वी और दूसरे हिस्से से आकाश बना दिया। क्या यह बाइबल से थोड़ा अलग है? हाँ। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि मैंने इसे एक दिशा में दुह लिया है। जब आप वास्तव में इन्हें पढ़ते हैं तो ये कहानियाँ बहुत अलग होती हैं। एनुमा _ एलीश बेबीलोन के देवता मर्दुक को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। हालाँकि, क्या इनमें समानताएँ हैं? हाँ।

एम. समानताओं की व्याख्या और मौखिक कहानी सुनाना [31:36-41:43]

अब, क्या इससे मुझे आश्चर्य होता है? और जवाब नहीं है। हमने इसके बारे में बात नहीं की है और यह वास्तव में महत्वपूर्ण है, मैं इसे विकसित नहीं करने जा रहा हूँ - मैं इस पर एक भयानक काम करने जा रहा हूँ। आपको बोरगमैन या किसी ऐसे व्यक्ति से पाठ्यक्रम लेना होगा जो इसे अधिक गहराई से विकसित करता हो। मूल रूप से जब 2000 ईसा पूर्व में मूसा से पहले लोग वास्तव में बहुत बूढ़े थे, तो उन्होंने बहुत सारी कविताएँ कीं, क्या बहुत सारी किंवदंतियाँ मौखिक रूप से सामने आईं? क्या मौखिक प्रसारण लिखित से भिन्न है? नूह नाव से उतर गया। शेम, हाम और जेफेथ नाव से उतर गए; वे उसके बच्चे हैं। वे नूह के साथ नाव पर थे। क्या आपको लगता है कि शेम, हाम और जेफेथ ने कभी अपने बच्चों को दादाजी नूह के बारे में बताया था और उन सभी जानवरों के साथ क्या हुआ था? हाँ। तो शेम, हाम और जेफेथ अपने बच्चों को बताते हैं। अब, वैसे, क्या उनके बच्चे जाकर दादाजी नूह से बात कर पाएंगे और कहेंगे, "अरे, दादाजी नूह, पिताजी ने यह कहा था। क्या सचमुच ऐसा हुआ था?" क्या दादाजी नूह उन्हें सीधा कर पाएंगे? ठीक है, क्या आपने कभी अपने दादाजी से आपको सीधा करवाया है? वैसे भी, क्या होगा? क्या तीन या चार पीढ़ियों के बाद कहानी संभवतः स्थानांतरित हो जाएगी? क्या कहानी में मतभेद होंगे? मौखिक परंपरा की खूबसूरत चीज़ों में से एक और

समस्याओं में से एक क्या है? जब मौखिक सामग्री नीचे आती है तो क्या यह पीढ़ी दर पीढ़ी बदलती है? मुझे ज्यादा केंद्रित होना चाहिए। मेरा बेटा अफगानिस्तान से वापस आ गया। वह मौखिक कहानियाँ सुना रहा है। उनके पास उन्हें लिखने का समय ही नहीं था क्योंकि जिस दिन वह बाहर जाते थे तो वास्तव में उन्हें गोली मार दी जाती थी। इसलिए उन्होंने इसे लिखने में समय नहीं लगाया। तो ये मौखिक परंपराएँ हैं। अब वह उन्हें बताता है (उसका एक भाई, जैच और कुछ बहनें हैं)। हम मेज़ के चारों ओर बैठे हैं और वह एक अद्भुत कहानी कहने वाला है। तो वह एक कहानी सुनाता है और अचानक हर कोई हंसने लगता है। बच्चे चले जाते हैं। इलियट अब बूढ़े आदमी (मैं), और उसकी अद्भुत माँ की ओर मुड़ता है, और सवाल करता है: क्या वह हमें वही कहानी बताता है, केवल वह इसे दूसरी बार बताता है और उसके माता-पिता लगभग आँसू में हैं। प्रश्न: क्या यह वही कहानी थी? हाँ, यह वही कहानी थी। प्रश्न: क्या उन्होंने कुछ विवरण छोड़ दिया? हाँ वह था। जब बच्चे चले गए... उसने हमारे ऊपर कुछ सामान गिरा दिया जिससे मैं पूरी तरह से अचंभित रह गया। प्रश्न: क्या यह वही कहानी थी? हाँ, यह वही कहानी थी जो अलग-अलग दर्शकों के लिए थी।

क्या आप कोई अलग कहानी बता सकते हैं--क्या आप जानते हैं कि इसमें कौन महान है? डॉ. ग्रीम बर्ड यहाँ। क्या आपने कभी उसे पियानो बजाते हुए सुना है? जब आप उसके पाठ्यक्रम में पहुँचें तो आपको उसे अपने साथ ले जाना होगा और कहना होगा, "अरे, हिल्डेब्रांट कहता है कि आपको इस कक्षा के लिए पियानो बजाना होगा।" वह जैज़ बजाता है। तो वह वही गाना बजाएगा, लेकिन क्या वह कभी वही गाना बिल्कुल उसी तरह बजाता है? नहीं, वह जैज़ करता है। तो इस पर निर्भर करते हुए कि आप कौन हैं, क्या आप बारह से चौदह वर्ष के किसी व्यक्ति को कहानी अलग ढंग से सुनाते हैं, जबकि आप चौवन से साठ वर्ष के किसी व्यक्ति को सुनाते हैं? क्या आप कहानी अलग ढंग से बताते हैं? जब डॉ. बर्ड पियानो बजाते हैं, तो वह इसे एक तरफ से बजाएंगे और फिर वह बिल्कुल वही गाना बजाएंगे और आप सुन सकते हैं कि यह वही गाना है, लेकिन क्या यह अलग है? यह जैज़ है। तो, मैं जो कह रहा हूँ, क्या मौखिक परंपरा में लोग कहानी को मनमोहक मानते हैं? दूसरे शब्दों में, आप कभी भी कहानी बिल्कुल उसी तरह नहीं बताते। नूह ने इसे अपने बच्चों को बताया - खैर नूह ने इसे अपने बच्चों को नहीं बताया, उसके बच्चे वहाँ थे; लेकिन उनके बच्चे कहानी को नजरअंदाज कर देते हैं। क्या आप

उम्मीद करेंगे कि कहानी विभिन्न रूपों में सामने आएगी? मुझे लगता है कि गिलगमेश महाकाव्य नूह की बाढ़ को याद कर रहा है। यह केवल मौखिक रूप से आया है, इसलिए यहां मूसा के साथ आपके पास जो है, वह यह है कि भगवान नीचे आते हैं और कहते हैं, "मूसा।" आइए मैं आपको बताता हूं कि वास्तव में क्या हुआ था।" अब आपको यह भगवान के आने और कहने से मिल गया है, "अरे, यह वास्तव में क्या हुआ था।" वैसे, क्या जिन अन्य लोगों ने इस कहानी को आगे बढ़ाया, क्या उनके पास कहानी का आवरण था? हाँ उन्होंने किया। परन्तु वे, मैं यह कैसे कहूँ, इसलिये परमेश्वर ने मूसा से कहा, कि क्या हुआ।

इसलिए, मुझे आश्चर्य नहीं है कि अन्य संस्कृतियों में भी बाढ़ की कहानी याद है। मैं हैरान नहीं हूँ। भगवान ने उन्हें बाढ़ से बाहर कर दिया। मैं उम्मीद करूँगा कि अन्य संस्कृतियाँ इसे याद रखें और इसे आगे बढ़ाएं। अब मेरा अनुमान है कि वे यहोवा को नहीं जानते थे, और किस बात ने उन्हें प्रेरित किया कि उन्होंने यह रचा कि क्या हो रहा है? क्या यह बाल था, आप जानते हैं, अशेराह में बाढ़ ला रहा था, यहाँ क्या सौदा है? क्या देवताओं ने युद्ध किया या क्या? तो क्या इससे आपको कोई मतलब है? मैं उम्मीद करूँगा कि कुछ कहानियाँ समान होंगी, और फिर ईश्वर मूसा को ईश्वर से रहस्योद्घाटन देगा। इसी तरह हम उत्पत्ति का हिसाब लगाते हैं, इसी तरह हम समानताओं का हिसाब लगाते हैं, और इसी तरह हम अंतर का भी हिसाब लगाते हैं।

अब, वैसे, क्या मौखिक परंपरा सुंदर है? हाँ। कुछ संस्कृतियों में, वे याद करते हैं - जब आप होमर, इलियड और ओडिसी पर वापस जाते हैं। क्रोएशिया में कुछ लोगों को कविता की बारह सौ पंक्तियाँ याद हैं और वे उसका प्रदर्शन करते हैं। हर बार वे इसका प्रदर्शन करते हैं--आपमें से कुछ लोग थिएटर करते हैं। जब आप थिएटर करते हैं, तो क्या आपने कभी एक रात, दो रात या तीन रात थिएटर किया है? प्रश्न है: हर रात अलग? हाँ। यह वही नाटक है, लेकिन हर रात जब आप इसे प्रदर्शित करते हैं तो यह अलग होता है। प्रत्येक मौखिक कथन में कुछ न कुछ अलग होगा।

आपका एक प्रश्न था। [छात्र: हाँ. तो बाढ़ आई और सब कुछ नष्ट हो गया तो क्या उस बिंदु के बाद सभी कहानियाँ एक जैसी होंगी?] हाँ। ठीक है, इसलिए जब नूह ने अपने बच्चों को कहानी दी, तो उन्होंने इसे देखा। कहानी वही है. अब उनके बच्चे आते हैं, और मैं कहना चाहता हूँ कि उन्होंने शायद

दादाजी से दोबारा मुलाकात की है। तो कहानी शायद काफी करीब है। अब उनके बच्चे थे (दादाजी मर जाते हैं, और माता-पिता भी मर जाते हैं)। अब कहानी की जांच करने वाला कोई नहीं है। तो यह ऐसा है जैसे कि अगर मैंने यहां किसी को कुछ कहने के लिए कहा और आपने इसे कक्षा में पहुंचने तक मौखिक रूप से पारित कर दिया तो यह मेरे द्वारा मूल रूप से कही गई बात से बहुत अलग होगा। तो आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? मौखिक रूप से कहानियाँ बदल जाती हैं। वैसे, जो मैं आपको बता रहा हूँ वह तथ्य है। हमें यह पता है। हम अन्य संस्कृतियों, क्रोएशियाई संस्कृतियों में तुलना कर सकते हैं, मौखिक चीजों की जांच की गई है और आपको बस यह जानना चाहिए। अगर मैंने यहां कुछ शुरू किया है और मैंने उन्हें तीन वाक्य बताए हैं, और हर किसी को उन वाक्यों को दोहराना है, जब तक यह आप तक पहुंचे, तो क्या यह वही होगा या अलग होगा? यह अलग होगा।

[छात्र: मैं जो पूछ रहा हूँ वह यह है कि नूह और मूसा के बीच वास्तव में कितना समय है?] हम हजारों वर्षों की बात कर रहे हैं। मेरा मतलब है, जेरिको, जोशुआ जेरिको की लड़ाई में फिट बैठते हैं, जेरिको में एक विशाल टावर है। यह 8,000 ईसा पूर्व से है, तो इसका मतलब है कि नूह को उससे पहले आना है, तो फिर आपके पास 8,000 ईसा पूर्व से लेकर मूसा के 1400 ईसा पूर्व तक है, तो आपके पास वहां कम से कम 7,000 वर्ष हैं। 7,000 वर्षों में कहानियाँ बहुत कुछ बदल सकती हैं। गिलगमेश महाकाव्य, मान लीजिए 2,000 ईसा पूर्व का है? तो हमारे पास कम से कम 5-7,000 वर्ष हैं जिसके बारे में बताया जाना चाहिए। मेरा अनुमान है कि यह उससे कहीं अधिक लंबा था। लेकिन मैं साबित कर सकता हूँ - आप इसे इससे छोटा नहीं रख सकते, क्योंकि आपको वहां के टावरों, दमिश्क शहर, ऐसे कई स्थानों का हिसाब देना होगा जिन्हें हम जानते हैं। तो आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ; आपको मुझे कम से कम हजारों वर्ष देने होंगे।

[छात्र: आप नूह और मूसा के बीच कितने वर्षों का अनुमान लगाएंगे?] नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता। खैर, मैं आपको सैद्धांतिक रूप से बता दूँ कि मैं ऐसा नहीं कर सकता। मैं आपको बस एक चीज़ के बारे में सावधान करना चाहता हूँ, ठीक है। आप उत्पत्ति अध्याय पाँच और ग्यारह में उन वंशावली को जानते हैं, क्या आपने उन्हें पढ़ा है? नहीं, उन्हें मत जोड़ें। वंशावली में छेद हैं। जब यह कहता है कि अमुक का पिता है - ठीक है, मुझे मैथ्यू, अध्याय एक ही करने दीजिए। यीशु मसीह,

दाऊद का पुत्र, इब्राहीम का पुत्र। माफ़ करें? यीशु मसीह, दाऊद का पुत्र (मैथ्यू 1:1)। "यीशु मसीह, दाऊद का पुत्र।" वैसे आप लोग जानते हैं, डेविड क्या है? मुझे एक तारीख दीजिए. यीशु मसीह, दाऊद का पुत्र - वह एक हजार वर्ष है। यीशु मसीह, दाऊद का पुत्र, इब्राहीम का पुत्र। इब्राहीम क्या है? [छात्र: 2,000 वर्ष।] तो आप लोग यह जानते हैं! प्रश्न: क्या यीशु मसीह दाऊद के पुत्र थे? देखिए, उन्होंने कहा, "नहीं।" मैं कहा हूँ।" क्या आप जानते हैं "बेटा" का मतलब क्या होता है? "का पुत्र" का अर्थ है "वंशज।" "का पुत्र" का अर्थ आवश्यक रूप से प्रत्यक्ष वंशज नहीं है। "पिता" का मतलब यह हो सकता है, ठीक है, आप लोग आज तक भी इसे कहते हैं, "हमारे पिता इब्राहीम।" खैर, वह वास्तव में आपके पिता नहीं हैं, क्या वह हैं? लेकिन क्या आप यह भी देख रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? क्या आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? उत्पत्ति में अध्याय पाँच और ग्यारह में उन वंशावली पर वापस जाएँ, मैं आपको गारंटी दूँगा कि वहाँ छेद हैं, और ये लोग वैसे भी 900 साल जी रहे हैं, और आपके पास बहुत बड़े अंतराल हैं। आप उन्हें आसानी से जोड़ नहीं सकते. यह नामुमकिन है। वहाँ छेद हैं इसलिए मैं आपको कोई अनुमान नहीं दे सकता। मैं बस इतना जानता हूँ कि मूसा 1400-1200 के आसपास का है और मैं आपको बताऊंगा कि नूह 8,000 से पहले का होगा, क्योंकि हमारे पास जेरिको में वह टावर है। तो बस इतना ही, लगभग 6,500 वर्ष। लगभग 6,500 वर्ष और कितनी पीढ़ियाँ? मुझे नहीं पता। वैसे, यह सिर्फ जेरिको का टॉवर नहीं है, आपको इसे उससे भी पीछे धकेलना होगा। अच्छे प्रश्न, मुझे उत्तर नहीं पता।

एन. मूसा की शिक्षा [41:44-43:45]

मूसा गिलिगमेश महाकाव्य और एनुमा जैसे साहित्य से परिचित थे एलीश ? ठीक है, आप कहते हैं कि मूसा का पालन-पोषण रेगिस्तान में भेड़-बकरियों का पीछा करते हुए हुआ था। मूसा इस साहित्य को नहीं जानता था क्योंकि वह यहूदी था। वैसे भी वह यह सारा साहित्य नहीं पढ़ सका क्योंकि वह हिब्रू था। प्रश्न: क्या मूसा अज्ञानी था? दरअसल, मूसा को प्रशिक्षण कहाँ दिया गया था? भेड़ों के साथ रेगिस्तान में? [छात्र: मिस्र]। मिस्र. उसे फिरौन की बेटी के बेटे के रूप में पढ़ाया जाता था। क्या उसे मिस्र की विद्या में प्रशिक्षित किया गया होगा? क्या मिस्रवासी अत्यधिक साक्षर और प्रतिभाशाली संस्कृति वाले थे? और हम पुराने मिस्र के पट्टाहोटेप की बात कर रहे हैं जो 2800 ईसा पूर्व का है। यह

मूसा से कम से कम 1400 वर्ष पहले की बात है। क्या मूसा से 1400 वर्ष पहले ज्ञान साहित्य था? हाँ, वहाँ एक पूरा मिस्र था, पुराना मिस्र था, वहाँ मध्य मिस्र था। तो मूसा से पहले एक बहुत बड़ी साहित्यिक परंपरा थी। क्या मूसा को मेसोपोटामिया की किंवदंतियों के बारे में पता था? क्या मिस्र और मेसोपोटामिया के बीच कोई व्यापार था? वे दो बड़ी बिल्लियाँ हैं, इसे ही वे उपजाऊ वर्धमान कहते हैं। हर समय आगे-पीछे व्यापार चलता रहता था। तो मेरा अनुमान है कि मूसा इनमें से कुछ कहानियों को जानता था, और हो सकता है कि उसने उन्हें अनुकूलित किया हो, उन्हें अपनाया हो, और भगवान ने उन्हें सीधा करने के लिए मूसा का उपयोग किया हो। क्या मूसा ने इनमें से कुछ स्रोतों से, इन किंवदंतियों से कुछ उत्पत्ति उधार ली होगी? और उत्तर है: हाँ, वह कर सकता था। क्या मूर्तिपूजक लोग जो कुछ भी कहते हैं वह गलत है? क्या बुतपरस्त लोग कभी-कभी कुछ ऐसी बातें कहते हैं जो सही होती हैं? और यदि वे सही हैं, तो परमेश्वर उसे बाइबल में शामिल कर सकता है। क्या कुछ बुतपरस्त लोग हैं जो बाइबल में बोलते हैं, और बाइबल में सच बोलते हैं? मुझे यह करने दो। क्या ऐसे भी कुछ गधे हैं जो बाइबल में बात करते हैं और सच बोलते हैं? हाँ। संख्या 22 में गधा सच बोलता है।

ओ . उत्पत्ति की टोलेडोथ संरचना [43:46-44:42]

अब, यह जेनेसिस की *टोलडॉट संरचना* है। मुझे लगता है कि यह दिलचस्प है, लेकिन साहित्यिक दृष्टिकोण से यह दिलचस्प है। *टॉलेडॉट* का अर्थ है (मुझे विश्वास है कि इसका किंग जेम्स संस्करण में अनुवाद किया गया है) "ये की पीढ़ियाँ हैं।" मुझे लगता है कि आपका एनआईवी - यदि आपके पास अपनी बाइबिल है तो आप उन्हें खोलना चाहेंगे, क्योंकि वास्तव में यह देखना काफी दिलचस्प है कि आपकी बाइबिल ऐसा कैसे करती है। उत्पत्ति 2:4 में, आपको इन *टोलडॉट्स में से एक मिला है*, "यह इसका विवरण है।" "आकाशों और धरती का और जिस दिन उनकी रचना की गई, उसका वृत्तान्त यही है।" "यह इसका विवरण है," और आप जो पाते हैं वह यह है कि उत्पत्ति की पुस्तक में दस *टोलेडोट हैं*। इसलिए उत्पत्ति को इस वाक्यांश के आधार पर दस खंडों में विभाजित किया गया है "यह इसका विवरण है।" क्या मूसा ने इसी प्रकार अपनी पुस्तक को तोड़ा है? इस प्रकार मूसा ने अपनी पुस्तक लिखते हुए इसे विभाजित किया है। यह उनकी पैराग्राफ डिवाइडर जैसी चीज़ है।

बाइबिल में पी. अध्याय विभाजन सीए जोड़ा गया। 1200 ई. [44:43-48:13]

वैसे, यदि आप मूसा के पास गए और कहा, "मूसा, उत्पत्ति में कितने अध्याय हैं?" तुम लोग मूसा से भी अधिक चतुर हो। यदि तुम मूसा के पास गए और कहा, "मूसा, उत्पत्ति में कितने अध्याय हैं? क्या मूसा को उस प्रश्न का उत्तर पता होगा? नहीं, वह ऐसा नहीं करेगा। जब उन्होंने उत्पत्ति लिखी तब कोई अध्याय नहीं था। उन्होंने अध्यायों में नहीं लिखा। आपकी बाइबिल में अध्याय हैं। क्या आपको एहसास है कि ये अध्याय 1200 ईस्वी के आसपास जोड़े गए थे? अब, वैसे, मैं फिर से यहाँ खड़ा हूँ। मैं तुम्हें सच कह रहा हूँ। वहाँ एक बिशप था - डॉ. मैकरे वह व्यक्ति था जिसके अधीन मैंने अध्ययन किया था, कुछ अफवाहें थीं कि वह इस बिशप व्यक्ति को जानता था। लेकिन 1200 ई. में, मैकरे ने हमेशा कहा कि वह घोड़े पर सवार था, और कभी-कभी अध्याय विभाजन सामने आते थे, और कभी-कभी वे वहाँ नीचे होते थे, और कभी-कभी वह इसे सही कर देता था। क्या कुछ अध्याय विभाजन गलत स्थान पर हैं? मैं आपको आपकी बाइबिल से उत्पत्ति अध्याय एक और दो का एक उदाहरण दिखाता हूँ। इसे देखो, वह अध्याय विभाजन से चूक गया। अब वैसे, क्या इसका मतलब यह है कि बाइबिल में कोई त्रुटि हुई है या इसका मतलब यह है कि 1200 ईस्वी में बिशप ने अध्याय विभाजन को गलत जगह पर रखा था? अब मैं आपको यह साबित कर दूँ। जाओ अपनी बाइबिल देखो, उत्पत्ति अध्याय दो देखो। अध्याय एक क्या है? सृष्टि के सात दिन। लेकिन समस्या यह है: क्या उत्पत्ति अध्याय एक में सृष्टि के सात दिन हैं? सातवाँ दिन कहाँ है? क्या सातवाँ दिन अध्याय एक में है? नहीं। सातवें दिन, जैसा कि कहा गया है, "और इस प्रकार आकाश और पृथ्वी का काम पूरा हो गया, और सातवें दिन तक परमेश्वर ने वह काम पूरा कर लिया जो वह कर रहा था। इसलिए, सातवें दिन से उसने अपने सारे काम से आराम कर लिया।" वह अध्याय दो में है। सातवें दिन अध्याय दो में है। क्या सृष्टि के सात दिनों को एक साथ रखा जाना चाहिए? हाँ। वैसे, श्लोक 4 को देखें। अब क्या आपकी एनआईवी बाइबिल, आपकी एनआरएसवी, ईएसवी बाइबिल 2:3 और 2:4 के बीच विभाजित है? क्या वहाँ कोई जगह है? आपमें से कुछ लोग नहीं में सिर हिला रहे हैं। क्या आपकी बहुत सी बाइबिलों के लिए वहाँ जगह है? वहाँ जगह होनी चाहिए। यहीं पर इस वाक्यांश के कारण अध्याय का विभाजन रखा जाना चाहिए था "यह आकाश और पृथ्वी का लेखा है।" यह टोलडॉट संरचना वह है जिसका उपयोग

मूसा कथा को अपने दस खंडों में विभाजित करने के लिए करता है। इस प्रकार मूसा ने इसे विभाजित किया। तो वहां थोड़ा बंटवारा होना चाहिए।

वैसे, क्या आपमें से कुछ के पास वे लघु-बाइबल हैं जिनमें वे पाठ को पाठ के ऊपर रखते हैं? तो वे रिक्त स्थान नहीं बनाते क्योंकि वे इसे वास्तव में छोटा करने का प्रयास कर रहे हैं? तो उनमें से कुछ ने मिलकर इसे सुलझाया होगा, इसलिए नहीं कि वे नहीं जानते थे कि विभाजन 2:4 में है, बल्कि सिर्फ इसलिए कि वे जगह बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

तो वास्तव में 2:4 से 5:1 तक जाएं। यहां आप सीधे अध्याय पांच में अध्याय विभाजन देखेंगे। इसकी शुरुआत कैसे होती है? "यह एडम की पंक्ति का लिखित विवरण है।" तो अब आपको उसके बाद आने वाले आदम की वंशावली मिल गई है। 6:9 पर जाएँ, आप मेरे एनआईवी में देख सकते हैं कि यह कथन को अपने आप बंद कर देता है। "यह नूह का वृत्तांत है।" तो 6:9 के बाद, आपको नूह और उसके बच्चों के बारे में एक कहानी मिलेगी। फिर आप 10:1 पर जाएँ, और आप वही चीज़ देखेंगे, आदि, आदि। "यह शेम, हाम और येपेत का विवरण है," और फिर यह शेम, हाम और येपेत की वंशावली पर जाता है। . तो "यह इसका विवरण है," इस वाक्यांश का उपयोग करके उत्पत्ति की पुस्तक को इस प्रकार संरचित किया गया है। मूसा ने इसे दस बार लिखा है और अपनी पुस्तक की संरचना इस प्रकार की है।

Q. जेनेसिस की टैबलेट संरचना [48:14-52:35]

क्या आपने देखा कि जब आप उत्पत्ति पढ़ रहे थे तो आपको थोड़ा इतिहास मिलता है और फिर यह आपको वंशावली देता है? आप इतिहास पढ़ते हैं, और फिर आप वंशावली पर आते हैं। आप क्या करते हैं? आप वंशावली को छोड़ दें. आप इतिहास पर प्रहार करते हैं, और फिर आप वंशावली को छोड़ देते हैं। क्या हम अमेरिकियों के रूप में इसी तरह पढ़ते हैं? क्या वे हमसे अधिक वंशावलियों में रुचि रखते थे? तो क्या आपकी दादी और दादा वंशावली का काम करते हैं? - तो इतिहास और वंशावली, इतिहास और वंशावली। देखें कि यह पाठ में इतिहास और वंशावली के बीच कैसे आगे-पीछे घूमता रहता है। यह पता चला है कि किसी ने खोदी गई कुछ गोलियों के आधार पर उस तथ्य के आधार पर एक सिद्धांत विकसित किया है।

सबसे पहले, उस समय लोग क्या लिखते थे? उन्होंने मेसोपोटामिया में विशेष रूप से मिट्टी/मिट्टी की गोलियों पर लिखा। इसलिये उन्होंने एक कलम या लेखनी ली और उसे कीचड़ में फँसा दिया और कीचड़ सूख गया। फिर आप इसे पढ़ सकते हैं--कीचड़ की गोलियाँ। क्या हमें खुशी है कि उन्होंने मिट्टी की गोलियों का इस्तेमाल किया? पेपर में क्या समस्या है? मुझे 500 साल पुराना कागज दो। कागज में क्या खराबी है? कागज अब नहीं रहा . अब जब कागज नमी वाला हो तो क्या होता है? इससे कुछ नहीं होता; यह धूल में मिल जाता है. धूल में वापस, धूल से मैं धूल में आया हूँ, मैं वापस लौटूंगा। टेबलेट के साथ क्या डील है? तुम गोलियों को इन बक्सों में रख देते हो, और फिर तुम गोलियों के ऊपर मंदिर को जला देते हो। तुम इसे ज़मीन पर जला दो। वह टेबलेट पर क्या करता है? यह उन्हें आग लगा देता है! ये गोलियाँ किससे बनती हैं? अब चट्टान की तरह कठोर। प्रश्न: क्या वे हमेशा के लिए रहते हैं? हमने उन्हें खोदा, 3000 साल बाद और हमने एक गोली खोदी। क्या हम उन्हें पढ़ सकते हैं? हाँ, आप सभी को एकेडियन और उगारिटिक लेना चाहिए और आप गोलियाँ पढ़ सकते हैं। नहीं, गंभीरता से, कुछ लोग पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय जाते हैं। वे उन्हें आधे जीवन के लिए वहीं तहखाने में बंद कर देते हैं और जब वे अपना आधा जीवन वहीं बिता लेते हैं, तो वे उन्हें पीएच.डी. देते हैं। लेकिन वैसे भी, ये गोलियाँ निकाल दी जाती हैं। क्या आप जानते हैं कि उनका मिट्टी पर लिखना हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है? अब हमें ये गोलियाँ मिल गई हैं, और हम इन्हें 3000 वर्षों के बाद भी पढ़ सकते हैं।

पपीरस और सभी कागजों में क्या समस्या है? एकमात्र स्थान जहां कागज इसे बनाने जा रहा है, जैसे पपीरस और उस तरह की सामग्री (उन्होंने जानवरों की खाल पर भी लिखा है) एकमात्र स्थान जहां इसे बनाया जा रहा है वह मिस्र में है। अब यह मिस्र में क्यों जीवित रहता है? क्योंकि मिस्र बहुत है बहुत क्या? सूखा। हवा में नमी नहीं है. यह सहारा रेगिस्तान है, और आप जानते हैं, लीबियाई उन पर गोलीबारी कर रहे हैं इसलिए यह इसे और भी शुष्क बना देता है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि यह इतना शुष्क है कि मिस्र ही एकमात्र स्थान है जहां पपीरस वास्तव में जीवित है। क्या मिस्रवासी चट्टानों पर लिखते थे और चट्टानों पर चीज़ें बनाते थे? यह वास्तव में हमारे लिए भी अच्छा है, क्योंकि चट्टानें लंबे समय तक टिकी रहती हैं। भगवान ने अपनी उंगली से चट्टानों पर भी कुछ काम किया। लेकिन फिर

भी, इतिहास/वंशावली के आगे-पीछे के उतार-चढ़ाव के साथ गोलियाँ इस तरह से संरचित की जाती हैं। आप इसे बाइबिल में प्रतिबिंबित पाते हैं - यह इतिहास, वंशावली, इतिहास, वंशावली दोलन।

क्या इस आदमी ने कुछ टैबलेटों पर ध्यान दिया जिन्हें वह पढ़ रहा था, कि टैबलेट की संरचना टैबलेट के सामने थी और फिर आपके पास टैबलेट का पिछला भाग था। और टैबलेट के सामने उसने देखा कि एक शीर्षक, एक इतिहास, एक कोलोफ़ोन (यह एक लिखित नोट था जिसमें कहा गया था कि यह टैबलेट मेरा है), और पीछे एक वंशावली थी। तो पीछे एक वंशावली और सारांश है। जब यह हमारी बाइबिल में आता है तो इतिहास और वंशावली, इतिहास और वंशावली के बीच एक दोलन होना चाहिए; टैबलेट के सामने, टैबलेट के पीछे, टैबलेट के सामने, टैबलेट के पीछे। तो इसलिए वह जो कह रहा है वह यह है: क्या मूसा की शैली उस समय की लेखन शैली में फिट बैठती है? क्या आप इसकी उम्मीद करेंगे? यह इस बात का स्पष्टीकरण हो सकता है कि उत्पत्ति में इतिहास-वंशावली का आदान-प्रदान

क्यों है। अब वैसे, क्या हम यह जानते हैं? नहीं, यह किसी विद्वान का अनुमान है। क्या इसका अर्थ बनता है? यह मेरे लिए समझ में आता है, लेकिन मैं यह नहीं कह रहा कि यह तथ्य है। मैं यह कह रहा हूँ कि यह इस आदमी का अनुमान है, हम निश्चित रूप से नहीं जानते, लेकिन इसका कोई मतलब निकलता प्रतीत होता है। हाँ। [छात्र: कोलोफ़ोन क्या है?] कोलोफ़ोन एक स्क्रिबल नोट है, आप जानते हैं, कहते हैं, "मैं शफ़ान, मुख्य मुंशी हूँ, और यह मेरा टैबलेट है" या ऐसा कुछ। या "यह ज़िम्निलिन के लिए लिखा गया था, वह राजा था और उसने मुझे नहीं पीटा था इसलिए मैंने उसके लिए यह गोली लिखी" या कुछ और। आप जानते हैं, कुछ छोटी-मोटी लिपिकीय नोट जैसी चीज़। क्या मूसा ने उत्पत्ति के लेखन में इस संरचना का उपयोग किया था?

कनानी बोली के रूप में आर. हिब्रू [52:36-53:41]

क्या मूसा ने अपने समय से साहित्यिक पैटर्न का उपयोग किया था? क्या मूसा ने अपने समय की भाषा का प्रयोग किया था? मूसा ने संभवतः हिब्रू में लिखा था, है ना? हिब्रू भाषा क्या है? मुझे इस मामले में आपके साथ एक तरह से स्पष्ट और ईमानदार होने दीजिए। क्या हिब्रू भाषा एक कनानी बोली है? हिब्रू भाषा केवल कनानी बोली है। यहूदियों को हिब्रू भाषा कहाँ से मिली? जब इब्राहीम

कनान देश में चला गया तो उन्हें हिब्रू भाषा मिली। उन्होंने इसे वहां से उठाया; यह एक कनानी बोली थी। इसका विकास लगभग 1800 ईसा पूर्व हुआ था। इब्राहीम ने इसे कनानी बोलियों से उठाया, और फिर मूल रूप से यह आगे चलकर हिब्रू भाषा बन गई लेकिन यह मूल रूप से एक कनानी बोली है। क्या इब्राहीम जब मेसोपोटामिया में अपने घर से आया था तो उसकी भाषा मेसोपोटामिया थी? हाँ। वह कनान में प्रवेश करता है, और वह एक कनानी बोली को अपनाता है जिसे हिब्रू के रूप में जाना जाता है, और यह मूसा तक पहुंचती है।

एस. भगवान लोगों की भाषा में संचार कर रहे हैं [53:42-56:03]

अब, क्या मूसा ने लोगों की भाषा में लिखा? हाँ। क्या वह जनता की शैली में लिखेंगे? वैसे, क्या लेखन की कुछ शैलियाँ हैं जो समय के साथ बदलती रहती हैं? यदि आपने एक पत्र लिखा है, और आपने एक ईमेल लिखा है, तो क्या आपके पत्र और ईमेल लिखने की दो अलग-अलग शैलियाँ होंगी? जब आप फेसबुक पर लिखते हैं तो क्या वह ईमेल लिखने से भिन्न होता है? यदि आप ट्विटर करते हैं, तो क्या वह ईमेल पर लिखने से भिन्न है? क्या आज हमारे पास अलग-अलग शैलियाँ हैं? हाँ। क्या मूसा के पास अलग-अलग साहित्यिक शैलियाँ रही होंगी जिनका वह उपयोग करता है? हाँ। और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक लगभग हिती संधि के सटीक रूप/आकार में है। सामग्री अलग है लेकिन रूप समान है। क्या हम यही अपेक्षा करेंगे? मूसा उस समय की भाषा का उपयोग करते हैं, और, वह उस समय के साहित्यिक रूपों का भी उपयोग करते हैं। तो शैली, हम उस पर गौर करेंगे।

यदि मूसा ने अपने समय की लेखन शैली का उपयोग किया तो क्या यह संभव है कि उसने उस सामग्री का उपयोग किया जो उस समय के कुछ लोगों के पास थी। दूसरे शब्दों में, उदाहरण के लिए, क्या मूसा के समय में लोग मानते थे कि पृथ्वी गोल है या चपटी? क्या वे मानेंगे कि पृथ्वी चपटी है? [छात्र: क्योंकि यह सपाट दिखता है।] हां, क्योंकि आप यहां दरवाजे से बाहर जाते हैं और आपको क्राड दिखाई देता है, आप जानते हैं, यह काफी सपाट है। आप चारों ओर देखते हैं और पृथ्वी काफी सपाट दिखती है। उन दिनों लोगों की धारणा थी कि पृथ्वी चपटी है। वैसे क्या यह भी संभव है कि बाइबल भी ऐसा कुछ उल्लेख कर सकती है? क्या कभी किसी ने "पृथ्वी के चार कोनों" के बारे में सुना

है? इसका उल्लेख बाइबिल, यशायाह 11:12 में किया गया है। "पृथ्वी के चार कोने," इसका मतलब है कि पृथ्वी चपटी है, है ना? अब जब आप कहते हैं पृथ्वी के चार कोने, तो क्या इसका मतलब यह है कि यह चपटी पृथ्वी है? वैसे कुछ ईसाइयों ने सोचा कि यशायाह के उस अंश के कारण यह सपाट है। क्या कोई जानता है यशायाह का मतलब क्या है? क्या यहाँ और अभी कोई पृथ्वी के चारों कोनों के बारे में बात करता है? यदि आपने आज कहा कि पृथ्वी के चार कोने हैं तो क्या इसका मतलब यह है कि आप सोचते हैं कि पृथ्वी चपटी है? [छात्र: नहीं।] यह पृथ्वी के कोनों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) को बताने का एक साहित्यिक तरीका है। आप यह नहीं कह रहे हैं कि पृथ्वी चपटी है। बाइबल गलत नहीं है, बस लोगों ने इसे गलत समझा है।

टी. मूसा की पारिवारिक पृष्ठभूमि [56:04-58:29]

मूसा को वह भाषा कहाँ से मिली जो उसने लिखी थी? जब मैं यह सुझाव देने का प्रयास करता हूँ कि इब्राहीम और उसके वंशज जैकब ने कनान देश में रहते हुए कनान भाषा सीखी थी, और वह भाषा मूसा को दी गई थी; क्या मूसा को अपने माता-पिता के अधीन प्रशिक्षित नहीं किया गया था? उसे फिरौन की बेटी ने मिस्र की विद्या में प्रशिक्षित किया था, लेकिन क्या उसे सबसे पहले अपने माता-पिता ने प्रशिक्षित किया था? क्या तुम्हें याद है उसे एक टोकरी में रखा गया और फिर नील नदी में डाल दिया गया? जब फिरौन की बेटी ने उसे उठाया, तो कहा, "यह इब्रानियों का बच्चा है।" (मुझे लगता है कि शायद उसका खतना किया गया था) और इसलिए उसने उसे उठा लिया। फिर क्या होता है कि मूसा की बड़ी बहन मरियम आती है और कहती है, "अरे, मैं यहूदी हूँ।" इसलिए उसने मूसा को उसकी अपनी बहन को वापस दे दिया - बड़ी बहन, वह छोटा भाई है। इसमें कुछ गड़बड़ है, ठीक है। क्या आपकी बड़ी बहन ने कभी आप पर दबाव डाला? वैसे भी, बड़ी बहन मूसा को उसके माता-पिता के पास वापस ले जाती है। मूसा के अपने माता-पिता ने उसका पालन-पोषण किया, या, जैसा कि मेरी पत्नी कहती थी, "उसे पाला।" इसलिए उसका पालन-पोषण तब तक किया जाता है जब तक वह संभवतः बारह या तेरह वर्ष का न हो जाए और फिर किशोरावस्था में पहुँच जाए। जब वह किशोरावस्था में पहुँचता है, तो वह फिरौन की बेटी के पास जाता है। वहाँ उसे मिस्र की सारी विद्याओं का प्रशिक्षण मिलता है। क्या वह धाराप्रवाह हिब्रू बोलना जानता होगा? यदि आपका पालन-पोषण 12

वर्ष की आयु तक या उसके आसपास किसी परिवार में होता है, तो क्या आप जीवन भर भाषा जानते हैं? मेरे दामाद ने मेरी बेटी से शादी की जो ताइवान से है। बारह वर्ष की आयु तक उनका पालन-पोषण ताइवान में हुआ। जब अंग्रेजी की बात आती है, तो क्या वह धाराप्रवाह अंग्रेजी बोल सकता है? वह अब भी " भेड़ " और " हिरण " कहता है। हिरण नहीं, बल्कि " हिरण "। वह बहुवचन बनाने के लिए हर चीज़ के अंत में 'स' लगाता है। मैं उसका मजाक उड़ाता हूँ क्योंकि वह ऐसा करता है। दरअसल, उसने मुझे चाट लिया है। उन्होंने SAT लिया, SAT अंग्रेजी में था। वह सैट पर पांच अंक से चूक गये। क्या लड़का बहुत उज्वल है? ठीक है, हार्वर्ड गया, एमआईटी गया, लड़का बहुत प्रतिभाशाली है। लेकिन वह अभी भी " भेड़ " कहता है और वह अभी भी " हिरण " कहता है, इसलिए हम इसके लिए उसे पकड़ लेते हैं। लेकिन सवाल: क्या वह आदमी अभी भी मंदारिन जानता है? बारह वर्ष की आयु तक उनका पालन-पोषण ताइवान में हुआ। क्या वह अब भी मंदारिन धाराप्रवाह जानता है? हाँ। तो मैं जो कह रहा हूँ, वह यह है कि मूसा बचपन में हिब्रू जानते थे।

यू. पैगन्स सच बोल रहे हैं और भगवान का आवास [58:30-59:26]

क्या गैर-यहूदी, गैर-पैगंबर, बुतपरस्त लोग कुछ ऐसी बातें कह सकते हैं जो सच हैं? हाँ। यदि मूसा ने उन बुतपरस्त लोगों की बातों को दर्ज किया है, तो यह अभी भी सच है। यह बाइबिल में है, फिर भी यह सत्य है। इसलिए इनमें से कुछ चीज़ों से सावधान रहें। क्या ईश्वर ने सत्य को उन तरीकों से व्यक्त करने के लिए अपने सत्य को समायोजित किया जो प्राचीन मनुष्य ने चीज़ों को कैसे देखा उसके अनुरूप था? उन्होंने खुद को भाषा में ढाल लिया। इसलिए भगवान हिब्रू में बोलते हैं, और वह उस समय के साहित्यिक रूपों का उपयोग करते हैं। उसने स्वयं को कितना समायोजित किया? क्या भगवान नीचे आए और मूसा से कहा: "मूसा, तुम लोग सोचते हो कि पृथ्वी चपटी है, पृथ्वी चपटी नहीं है, यह गोल है"? क्या भगवान कभी नीचे आए और उन्हें सीधा किया? नहीं, वह बात नहीं थी। भगवान उन्हें उनकी आत्माओं के बारे में और मुक्ति के बारे में बताने आ रहे थे, वैज्ञानिक तथ्य के बारे में नहीं। तो आपको उस चीज़ पर थोड़ा ब्रेक लेना होगा।

वी. उत्पत्ति 1 और हेर्मेनेयुटिक्स के उद्देश्य [59:27-60:39]

अब, मूसा ने सृष्टि को क्यों शामिल किया? मूसा ने शुरुआत क्यों की " आरंभ में, परमेश्वर ने

आकाश और पृथ्वी की रचना की।" क्या मूसा ने उत्पत्ति 1 और 2 को विकासवादी सिद्धांत के विरुद्ध लड़ने के लिए लिखा था? क्या मूसा को विकासवादी सिद्धांत के बारे में कोई जानकारी थी? नहीं, वह 19वीं और 20वीं सदी में है? इसलिए मूसा ने विकासवादी सिद्धांत के विरुद्ध नहीं लिखा। मूसा को इसका कोई अंदाज़ा नहीं था, न ही जिन लोगों को वह संबोधित कर रहा था उनमें से किसी को भी यह पता था। अब मैं यहां जिस पर काम कर रहा हूं वह "हेर्मेनेयुटिक्स" है। हेर्मेनेयुटिक्स, क्या कोई "हेर्मेनेयुटिक्स" जानता है? हेर्मेनेयुटिक्स इस बात का अध्ययन है कि आप बाइबल की व्याख्या कैसे करते हैं। आप बाइबल की व्याख्या कैसे करते हैं? अलग-अलग लोग बाइबल की अलग-अलग व्याख्या करते हैं। हेर्मेनेयुटिक्स यह है कि आप कैसे व्याख्या करते हैं। ध्यान दें कि मैं यहां क्या जोर दे रहा हूं। विकासवादी सिद्धांत के खिलाफ़ लड़ें - क्या हमारे समय में विकासवादी सिद्धांत से लड़ना हमारी समस्या है? क्या मूसा को इसके बारे में पता था? मैं आपको मूल लेखक के मूल इरादे में वापस लाने की कोशिश कर रहा हूं। दूसरे शब्दों में, बाइबिल मेरे लिए अनिवार्य रूप से मेरे लिए है मुझे मुझे मैं . हम एक आत्ममुग्ध संस्कृति में रहते हैं जो कहती है "मैं मैं।" मैं , "हर समय।

डब्ल्यू. मूल लेखक का मूल आशय [60:40-61:49]

मैं जो करने की कोशिश कर रहा हूं वह आपको आप से बाहर निकालना है और पीछे मुड़कर देखना है कि एक लेखक के रूप में मूसा ने मूल रूप से इसका इरादा कैसे किया था। मूसा का मूलतः क्या इरादा था? मूसा का मूल इरादा क्या था? तो यह मेरी व्याख्या है, मूल लेखकों के मूल इरादे पर वापस जाने का प्रयास करना। क्या मूसा ने संभवतः इसे बहुदेववाद के विरुद्ध एक विवाद के रूप में लिखा था? क्या उस समय लोग बहुदेववादी थे? कई देवता, हर तरह की चीजें कर रहे हैं। तो यह संभव है, क्या यह विकास की तुलना में मूसा के इरादे से कहीं बेहतर है? हाँ, क्योंकि वे बहुदेववाद से संघर्ष कर रहे थे। तो यह संभव है. वह शुरू करता है, "नहीं, नहीं, यह बाल और अशेरा नहीं हैं जो युद्ध में गए थे, और बाल ने उसे काट डाला। एक ईश्वर था और उसने सब कुछ बनाया, और उसने इसे कैसे बनाया? उन्होंने बात की और चीजें अस्तित्व में आईं।" इसलिए मूसा संभवतः बहुदेववाद के खिलाफ़ काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यही वह वास्तविक मुद्दा है जिस पर मूसा उत्पत्ति की पुस्तक में चर्चा कर रहा है। मूसा मूलतः कह रहा है कि उत्पत्ति 1 एक स्तुतिगान है। यह परमेश्वर की स्तुति और

आराधना के लिए है। यह हमें ईश्वर, उसकी महिमा, सृष्टि में ईश्वर की महानता और अच्छाई के बारे में कुछ बताता है। सृष्टि वृत्तांत में ईश्वर की महानता और अच्छाई को चित्रित किया गया है।

X. सृष्टि का अंतर्पाठीय दृष्टिकोण: भजन 136 [61:49-62:41]

अब मुझे कैसे पता चलेगा कि यह उद्देश्य का एक हिस्सा है? मैं भजन 136 को देखता हूँ, और भजन हमें दिखाता है कि उत्पत्ति वृत्तांत का उपयोग कैसे किया जा सकता है। अब, मैं इसे यहां रखने जा रहा हूँ, और बस इस खूबसूरत भजन को देखूंगा। यह भजन किस बारे में बात करता है? भजन 136.

उसके लिए जो अकेले ही महान चमत्कार करता है,
 क्योंकि उसका अटल प्रेम सर्वदा बना रहेगा।
 किस ने अपनी समझ से स्वर्ग बनाया?
 क्योंकि उसका प्रेम सदा स्थिर रहता है।
 जिस ने पृथ्वी को जल के ऊपर फैलाया,
 क्योंकि उसका अटल प्रेम सर्वदा बना रहेगा।
 महान रोशनी किसने बनाई,
 क्योंकि उसका अटल प्रेम सर्वदा बना रहेगा।
 दिन पर शासन करने वाला सूर्य,
 क्योंकि उसका अटल प्रेम सर्वदा बना रहेगा।

इस भजन का मतलब क्या है? वह सृष्टि को देखता है, और वह क्या निष्कर्ष निकालता है? मुख्य बात को पकड़ना बहुत कठिन है। वह क्या निष्कर्ष निकालता है? “उसका अटल प्रेम सर्वदा बना रहेगा।”

वाई. आस्था और शिक्षा का एकीकरण [62:42-65:19]

तो दूसरे शब्दों में, क्या आप सृष्टि को देख सकते हैं, और ईश्वर के बारे में कुछ सीख सकते हैं? आपमें से कुछ लोग विज्ञान में जा रहे हैं और कुछ लड़कियाँ विज्ञान में। क्या आपको विज्ञान पर ध्यान देने में सक्षम होना चाहिए और क्या यह आपको ईश्वर की पूजा की ओर ले जाना चाहिए? क्या भौतिकी का अध्ययन आपको ईश्वर की आराधना की ओर ले जाना चाहिए? क्या जीव विज्ञान का अध्ययन

आपको ईश्वर की आराधना की ओर ले जाना चाहिए? क्या रसायन विज्ञान आपको ईश्वर की पूजा की ओर ले जाना चाहिए? क्या भौतिकी केवल $f=ma$ है? या $v=$ आईआर ? आप कह सकते हैं, मैं भौतिकी या कुछ भी जानता हूँ, $v=ir$ ठीक है, क्या सचमुच यही इसका सार है? या क्या आप सूत्रों से आगे क्या देख सकते हैं? आप आकाशगंगाओं के बारे में बात कर रहे हैं, आप भगवान ने जो बनाया है उसके बारे में बात कर रहे हैं। आप भगवान की करतूत देख सकते हैं। तो मैं जो कह रहा हूँ वह विज्ञान को लेना है। हाँ, अपने सूत्र सीखें; लेकिन भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, जो भी हो, सृष्टि में ईश्वर की सुंदरता को देखने के लिए सूत्रों से परे जाएं।

यहाँ एक और दृष्टिकोण है. रहस्योद्घाटन की पुस्तक में ये लोग स्वर्ग में हैं [रेव्ह। 4:11]। और अंदाज़ा लगाओ कि वे स्वर्ग में क्या कर रहे हैं? हम स्वर्ग में यही करने जा रहे हैं। "आप योग्य हैं, हमारे भगवान और भगवान, प्राप्त करने के लिए" - क्या प्राप्त करने के लिए? "महिमा, सम्मान और शक्ति।" परमेश्वर महिमा, आदर और शक्ति पाने के योग्य क्यों है? "क्योंकि तू ने सब वस्तुएं सृजीं, और वे तेरी ही इच्छा से सृजी गईं, और अस्तित्व में हैं।" तो यह सुंदर श्लोक, स्वर्ग में क्या हो रहा है, यह दर्शाता है।

क्या सृजन का अर्थ हमेशा शून्य से सृजन करना होता है? एक लैटिन शब्द है (और मैं चाहता हूँ कि आप यह जानें), लैटिन शब्द, "कुछ नहीं से सृजन करना" का अर्थ है *पूर्व निहिलो बनाना*।

उदाहरण - क्या अब कोई लैटिन भाषा बोलता है? *पूर्व*, "बाहर" है, *निहिलो*, का अर्थ है "कुछ भी नहीं।" क्या ईश्वर शून्य से सृजन करता है? क्या ईश्वर शून्य से भी सृजन कर सकता है? भगवान ने बात की और यह अस्तित्व में आया। तो भगवान बनाता है - "शुरुआत में, भगवान ने स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माण किया।" वह शून्य से सृजन करता है, *पूर्व निहिलो*। क्या ईश्वर हमेशा *पूर्व निहिलो बनाता है*? भजन संहिता 33:6, एक सुंदर श्लोक है। "आकाश यहोवा के वचन से, और तारागण उसके मुंह की सांस से बने।" ईश्वर बोले और ब्रह्मांड अस्तित्व में आये। हालाँकि क्या भगवान ने हमेशा ऐसा ही किया? नहीं, भगवान ने मनुष्य को मिट्टी से बाहर निकाला। उन्होंने मनुष्य को आकार दिया, उन्होंने मनुष्य को धूल से बनाया। क्या उसने मनुष्य को शून्य से बनाया? कुछ महिलाएँ कहेंगी, "हाँ।" क्या ईश्वर ने मनुष्य को शून्य से बनाया? नहीं, उसने उसे मिट्टी से बनाया है।

जेड. एडम और ईव के नाम [65:20-68:54]

अब, वैसे, क्योंकि आप लोग हिब्रू नहीं जानते हैं, आप उत्पत्ति की पुस्तक में शब्दों पर कुछ सुंदर नाटकों से चूक गए हैं। परमेश्वर भूमि की धूल लेता है, और वह क्या बनाता है? ईश्वर उस प्राणी को क्या कहता है जिसे वह ज़मीन से आकार देता है, क्या वह उसे कोई नाम देता है? वह उसे "एडम" कहता है। वह उसे एडम कहता है। " *अदामाह* " का क्या मतलब है? वह धूल लेता है, उसे आकार देता है और वह उसे "धूलयुक्त" कहता है। नहीं, यह कोई मज़ाक नहीं है, यह सच्ची सच्चाई है! "एडम," "एडम" का क्या अर्थ है? *अदामा का* अर्थ है गंदगी, ज़मीन, धूल। इसलिए उसने धूल से एडम को आकार दिया और वह उसे "डस्टी" कहता है। यह सच है। एडम का नाम "डस्टी" पर एक यमक है। वहां शब्दों का खेल है और यह सुंदर है।

वैसे, वह ईव को क्या कहता है? ईव का नाम कौन रखता है? एडम ने ईव का नाम रखा। एडम ने ईव का नाम कब रखा? आदम से यह कहे जाने के बाद: आदम, तुमने पाप किया, धूल तुम "धूल" हो, तुम धूल में ही लौट जाओगे। उत्पत्ति 3:20 में अगला पद एडम हवा की ओर मुड़ता है। अभी तक उसका नाम पृथ्वी पर नहीं पड़ा है। वह अपनी पत्नी की ओर मुड़ता है, ठीक इसके बाद जब उसे बताया जाता है कि उसे कड़ी मेहनत करनी होगी और वह अंत में धूल में मिल जाएगा, वह जीत नहीं पाएगा (वह फिर से धूल में मिल जाएगा। वह फिर अपनी पत्नी की ओर मुड़ता है और कहता है, "तुम मौत की औरत हो। दुष्ट औरत / *विध्वंसक* औरत।" - ओह, तुम लोग इक्कीस साल से कम उम्र के हो, यहूदी शादी में ऐसा मत करो। वैसे भी, यहूदी शादी में, वे अपने बीच की बातों को बाहर निकालते हैं, और वे क्या कहते हैं? *लाहायिम* / *लाहायिम* / आप लोग जानते हैं कि - आप सभी ने "फिडलर ऑन द रूफ" देखी है, है ना?

वैसे, वे आपको गॉर्डन कॉलेज में यह नहीं बताते हैं, लेकिन स्नातक आवश्यकताओं में से एक यह है कि स्नातक होने से पहले आपको "फिडलर ऑन द रूफ" देखना होगा। मैं मजाक भी नहीं कर रहा हूं, मैं गंभीर हूं। यदि आप अपना डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए उस चरण के पार जाते हैं, तो डॉ. विल्सन के पास उन एयर सॉफ्ट गन में से एक है, यदि आप उस पार जाते हैं तो वह आपको पॉप कर देगा यदि आपने "फिडलर ऑन द रूफ" नहीं देखी है। तो आपको "फिडलर ऑन द रूफ" देखना होगा। यदि आपने "फिडलर ऑन द रूफ" नहीं देखी है तो आपको इसे देखना होगा। *लाहायिम!*

लाहायिम!

वैसे, *लाहेम की जड़ क्या है?* *हवा* और *लहयम* मूलतः एक ही शब्द है। वह अपनी पत्नी की ओर मुड़ता है और कहता है क्या? *लहयम* क्या करता है अर्थ? जीवन के लिए। वह इस महिला की ओर मुड़ता है, और वह उसे *हव्वा कहता है*- तुम "सभी जीवित प्राणियों की माँ हो।" मैं धूल में मिलाने जा रहा हूँ, लेकिन आप "सभी जीवित प्राणियों की माँ" हैं। क्या यह महिला उसके लिए आशा लेकर आई है कि किसी दिन साँप का सिर कुचल दिया जाएगा? जीवन कहाँ से आता है? जीवन इस महिला से आता है। इसलिए उसने उसका नाम "जीवित" रखा - "सभी जीवित प्राणियों की माँ" - *हवा* / क्या यह आदम और हव्वा के बीच एक खूबसूरत रिश्ता दिखाता है? शापित होने के बाद वह उसे शाप नहीं देता। वह उससे प्यार करता है और उस आशा को देखता है जो उसके माध्यम से आती है। यह उसके बीज के माध्यम से है कि सभी मानव जाति को मुक्ति मिलेगी। यह स्त्री सारी मानव जाति को मुक्ति दिलाएगी, और वह उसकी ओर देखता है और कहता है, *हवा* / आप कहते हैं "ईव," लेकिन मुझे *हवा* पसंद है बेहतर।

ए.ए. उत्पत्ति 1 के "दिन": तीन दृष्टिकोण [68:55-69:36]

अब हमारे पास लगभग दस मिनट बचे हैं, और मैं यहाँ से आगे बढ़ना चाहता हूँ और चर्चाओं को उत्पत्ति के दिनों में ले जाना चाहता हूँ। मैं इसे काफी तेजी से पार करना चाहता हूँ और बस इस पर प्रहार करना चाहता हूँ क्योंकि मैं इस मुद्दे पर ज्यादा देर नहीं टिकना चाहता। उत्पत्ति के दिन और सृष्टि का वृत्तान्त--सृष्टि के सात दिन। पृथ्वी का निर्माण कब हुआ? बाइबल क्या कहती है? मैंने पहले भी यह कहने का प्रयास किया है कि बाइबल हमें यह नहीं बताती कि पृथ्वी कितनी पुरानी है। उत्पत्ति 1 के दिनों के तीन दृष्टिकोण हैं और मैं बस उन तीन दृष्टिकोणों के माध्यम से जाना चाहता हूँ। तो हम उत्पत्ति के दिन करेंगे।

एबी. 24 घंटे का शाब्दिक दिन सिद्धांत [69:37-73:36]

सबसे पहले, कुछ लोगों का मानना है कि उत्पत्ति के दिन चौबीस घंटे के शाब्दिक दिन हैं, सुबह से शाम तक चौबीस घंटे, यानी चौबीस घंटे। इसे "शाब्दिक 24 घंटे का दिन सिद्धांत" कहा जाता है। इसे धारण करने वाले बहुत से लोग "यंग अर्थ क्रिएशनिस्ट" कहलाते हैं। युवा पृथ्वी रचनाकार यह

मानेंगे कि पृथ्वी लगभग बीस हजार वर्ष पुरानी है, कुछ ऐसी ही - बीस, तीस, चालीस, या दस हजार वर्ष पुरानी। इसलिए इसे "युवा पृथ्वी" कहा जाता है। पृथ्वी केवल लगभग बीस हजार वर्ष पुरानी है। अधिकांश लोग जो यंग अर्थ क्रिएशनिस्ट हैं वे वास्तविक 24 घंटे दिवस सिद्धांत का पालन करेंगे। मूलतः, वे जो कहते हैं वह यह है कि *योम* शब्द, *योम* शब्द "दिन" के लिए हिब्रू शब्द है, जिसे वास्तव में उत्पत्ति 1:5 में परिभाषित किया गया है जहां भगवान पद 5 में कहते हैं, "और भगवान ने प्रकाश को दिन कहा, और अंधेरे को रात कहा।" तो प्रकाश और अंधकार के बीच यह दोलन, जो कि चौबीस दिन है, भगवान उत्पत्ति 1:5 में *योम के रूप में परिभाषित करते हैं*। यह चौबीस घंटे का दिन है. यह प्रकाश और अंधकार का एक दोलन है जो चौबीस घंटे की अवधि है। तो यह हमारे लिए उत्पत्ति 1 में परिभाषित है।

सब्त--तुम सब्त के दिन कितने समय तक विश्राम करते हो? यह भी चौबीस घंटे की अवधि है। क्या आप अपना विश्राम शनिवार को मनाते हैं? यहूदी शब्बत कब शुरू होता है? शबात शुक्रवार की रात से शुरू होती है जब सूरज डूब जाता है। उन्होंने शुक्रवार की रात को शबात रात्रि भोज दिया। फिर शनिवार को वे शनिवार को विश्राम करते हैं। तो फिर शबात कब खत्म होगी? [छात्र: रविवार।] नहीं, शनिवार की रात। ठीक है, यह शुक्रवार की रात से, सूरज डूबने के बाद, शनिवार की रात तक चलता है, जब सूरज डूब जाता है। यहूदी शनिवार की रात क्या करते हैं? दल। आप यरूशलेम में देखेंगे कि दस हजार यहूदी होंगे, जो सड़कों पर झुंड बना रहे होंगे, हर तरह की चीजें खरीद रहे होंगे, पिज्जा खा रहे होंगे (पेपरोनी पिज्जा का ऑर्डर न करें, बल्कि सिर्फ पिज्जा ऑर्डर करें)। मैंने ऐसा क्यों कहा इसका एक कारण है। जब मैं स्टोर में था तो किसी ने एक ऑर्डर किया, वहां दो सौ लोग रहे होंगे और सब शांत हो गया। उस आदमी ने पेपरोनी पिज्जा ऑर्डर किया। लेकिन, आप समझ गए. हम वहां से निकल गये. हम स्पष्ट रूप से अमेरिकी थे, और मैं इतना जानता था कि जब यह इस तरह शांत हो जाए तो वहां से निकल जाना चाहिए। लेकिन फिर भी, मैं बस इतना ही कह रहा हूँ। शब्बत नीचे चला जाता है, मूल रूप से शुक्रवार की रात से शनिवार की रात तक। शनिवार की रात आमतौर पर होती है जब वे बाहर जाते हैं और मौज-मस्ती करते हैं। क्या वह चौबीस घंटे की अवधि है? यहूदी शब्बत शाब्दिक रूप से 24 घंटे की अवधि है? याद रखें कि भगवान ने दस आज्ञाओं में क्या कहा था? "सब्त

के दिन को याद रखना, उसे पवित्र रखना।" यह 24 घंटे की अवधि है. निर्गमन अध्याय 20 में दस आज़ाएँ हैं। तो फिर, यह वस्तुतः चौबीस घंटे की अवधि है।

यहाँ एक और तर्क है: दिन और एक संख्या। जब भी आपके पास पहला दिन, दूसरा दिन, तीसरा दिन होता है, तो यह आमतौर पर चौबीस घंटे की अवधि होती है। जब भी दिन शब्द का प्रयोग किसी संख्या के साथ किया जाता है तो यह आमतौर पर पवित्रशास्त्र में चौबीस घंटे की अवधि होती है। पवित्रशास्त्र में, उनमें से लगभग चार सौ निन्यानवे संदर्भ हैं। मैंने एक बार उनकी जाँच की और उस पर एक पेपर लिखा।

उम्र का आभास. क्योंकि पृथ्वी बहुत युवा है, आप कहते हैं, "लेकिन पृथ्वी ऐसी दिखती है जैसे यह वास्तव में बहुत पुरानी है।" डॉ. फिलिप्स कल रात उन आकाशगंगाओं का वर्णन कर रहे थे जो दस अरब प्रकाश वर्ष दूर थीं। वह प्रकाश दस अरब वर्ष पहले उन आकाशगंगाओं से शुरू हुआ था, और अब जो प्रकाश हम देख रहे हैं वह वास्तव में दस अरब वर्ष पुराना है। ये लोग कहेंगे, (युवा पृथ्वी के लोग) "नहीं, यह दस अरब साल पहले शुरू नहीं हुआ था, भगवान ने प्रकाश को पहले से ही अपने रास्ते पर बना दिया था। एडम को एक वयस्क की तरह बनाया गया था। इसलिए पृथ्वी पर उम्र का आभास होता है।" वैज्ञानिक तो यही देख रहे हैं, भगवान ने इसे उम्र के आभास के साथ बनाया है। क्या यह तर्क किसी को परेशान करता है कि ईश्वर ने पृथ्वी को युग के आगमन के साथ बनाया? क्या भगवान लोगों को धोखा देता है? यह एक दिलचस्प सवाल है.

एसी। प्रतीकात्मक दिन [73:37-75:23]

यह प्रतीकात्मक दिवस सिद्धांत है। यह एक और तरीका है, एक और तरह का दिन है। ऐसे लोग हैं जो प्रतीकात्मक दिन रखते हैं और कहते हैं कि उत्पत्ति के दिन एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात दिन का समय नहीं है। उनका अभिप्राय एक तार्किक या साहित्यिक रूपरेखा से है जिसका उपयोग मूसा रचना का वर्णन करने के लिए कर रहा है। यह एक तार्किक या साहित्यिक रूपरेखा है जिसका उपयोग मूसा इसका वर्णन करने के लिए कर रहा है। यह हो सकता है कि भगवान मूसा के पास आए और कहा (वह सिनाई पर्वत पर है)। "अरे मूसा, उठो। मूसा, प्रकाश हो," और मूसा प्रकाश को देखता है। तब मूसा वापस सो जाता है, और अगले दिन परमेश्वर उसे झकझोर देता है। "अरे,

मूसा, उठो," वह कहता है, "ठीक है, अब इसे देखो। अब मैं ऊपर के पानी और नीचे के पानी को अलग करने जा रहा हूँ।" मूसा फिर सो जाता है, और तीसरे दिन जागता है: "ठीक है, भूमि प्रकट होने दो।" तो, दूसरे शब्दों में, ये वे दिन हैं जिन्हें परमेश्वर ने मूसा पर प्रकट किया था। ये वास्तविक सृष्टि के दिन नहीं हैं, ये वे दिन हैं जब परमेश्वर इसे मूसा पर प्रकट कर रहा था। क्या आपको वहां अंतर दिखता है? इसलिए इन्हें हम "प्रकटीकरण के दिन" कहते हैं, क्योंकि परमेश्वर ने इसे मूसा पर प्रकट करने के लिए सात दिन लिए थे, ऐसा नहीं कि यह मूल रूप से ऐसा ही था। इसे देखने का एक और तरीका यहां दिया गया है। मैंने अक्सर सोचा है कि यह एक दिलचस्प तरीका है, कि भगवान ने मूसा को सात तस्वीरें दिखाईं। मूसा वर्णन कर रहे हैं, पहली तस्वीर में, भगवान ने कहा कि प्रकाश हो। दूसरी तस्वीर में, वह चीजों को अलग करता है, इत्यादि। मूसा को ये चित्र, दृश्य रूप से, उसके मस्तिष्क में दिखाए गए हैं जैसे जब भविष्यवक्ताओं को दर्शन हुए थे। ईश्वर उसे साक्षात्कार में सृष्टि दिखा रहा है। इसलिए मूसा ने इसे सात दिनों के रूप में वर्णित किया है। शायद यह एक साहित्यिक ढाँचा है। क्या यह सृजन के प्रति एक अमूर्त दृष्टिकोण है? हाँ। अन्य शाब्दिक चौबीस घंटे हैं, यह अधिक अमूर्त है; और प्रतीकात्मक दिन, बर्नार्ड राम इसे मानते हैं। कुछ अधिक अमूर्त विचारकों का यह मानना है।

ई.पू. दिन-आयु सिद्धांत [75:24-80:00]

डॉ. पेरी फिलिप्स का यही मानना है, और इसे "द डे एज थ्योरी" कहा जाता है। पेरी का मानना है कि उत्पत्ति के प्रत्येक दिन युग, लंबी अवधि हैं। *योम* शब्द, हिब्रू में, शब्द "दिन" है। इसके कई अर्थ हैं और यह हमेशा चौबीस घंटे का नहीं होता है। उदाहरण के लिए, अगर मैं आपसे पूछूँ कि बाहर दिन था या रात, तो आप क्या कहेंगे? मैं इस इमारत में इतने लंबे समय से हूँ, मुझे नहीं पता। यदि मैं कहूँ कि दिन या रात है, तो उस संदर्भ में "दिन" कितना लंबा है? क्या दिन चौबीस घंटे से भी छोटा है? आप कहते हैं, ठीक है हम दिसंबर में न्यू इंग्लैंड में रहते हैं, दिन केवल पाँच मिनट का होता है। प्रकाश की अवधि के रूप में "दिन" भिन्न हो सकता है। मुझे दिन के उजाले के लिए बारह घंटे और रात के बारह घंटे दीजिए। तो फिर "दिन" चौबीस घंटे से भी छोटा होगा?

प्रभु के दिन के बारे में क्या? प्रभु का दिन, प्रभु का सर्वनाशकारी दिन, कब तक है? प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में इसका वर्णन किया गया है, प्रभु का दिन एक हजार वर्ष है

[प्रकाशितवाक्य 20]। और फिर यदि आप भजन 90:4 पर जाएं, तो यह कहता है, "प्रभु के यहां एक दिन एक हजार वर्ष के बराबर है, और एक हजार वर्ष एक दिन के बराबर है।" आप लोग यह सब जानते हैं क्योंकि आपने ग्राउंडहोग दिवस देखा है। एक दिन एक हजार साल के बराबर है। यह एक ही दिन है, हर दिन के बाद दिन पर दिन। एक दिन एक हजार साल के बराबर है, एक हजार साल एक दिन के बराबर है। जब आप अनंत अनंत भगवान के साथ हैं, तो एक हजार साल क्या हैं? यह कुछ भी नहीं है। इसलिए, "एक दिन" का प्रयोग लंबी अवधि के लिए किया जाता

है। यहाँ एक और है: यह एक व्यक्ति के जीवन का समय है। यदि मैं तुमसे कहूँ, "मेरे पिता के समय में," तो वह कितना समय होगा? क्या वह 1927 से 2004 तक लगभग छिहत्तर वर्ष की अवधि होगी? ठीक है, तो मेरे पिता के समय में, यह उनके जीवन काल में होगा। "दिन" (*योम*) के कई अर्थ हैं। अंग्रेजी में इसके कई अर्थ हैं, और हिब्रू में इसके कई अर्थ हैं। जैसे तो सूर्य चौथे दिन तक नहीं बना था। क्या पहले तीन दिन सौर दिवस हैं? वे सौर दिन नहीं हो सकते क्योंकि वहां कोई सौर नहीं है, कोई सूर्य नहीं है। सूरज चला गया है, चौथे दिन तक सूरज नहीं निकलता। इसलिए पहले तीन दिन जैसे भी सौर दिन नहीं हो सकते। अब, जैसे, क्या दिन की उम्र का सिद्धांत अरबों वर्षों की अनुमति देता है? हाँ ऐसा होता है।

तो यह शायद सबसे मजबूत तर्क है। छठे दिन बहुत अधिक काम है। क्या ईश्वर तुरंत कुछ कर सकता है? लेकिन आदमी का क्या? वह छठे दिन ज़मीन की धूल से मनुष्य का निर्माण करता है, फिर वह सभी जानवरों को आदम के पास लाता है। क्या एडम को सभी जानवरों के नाम बताने होंगे? क्या दुनिया के सभी जानवरों के नाम रखने में समय लगता है? फिर, जैसे, सभी जानवरों के नाम रखने के बाद, एडम को अकेला महसूस करना पड़ता है। फिर उसके बाद क्या होता है? उसी दिन, ईव का निर्माण उसकी बाजू की पसली से हुआ। क्या एक चौबीस घंटे के दिन में इतना कुछ करना है? अब भगवान तो बहुत तेजी से रचना कर सकते हैं, लेकिन क्या इंसान को समय लगता है? तो छठे दिन बहुत कुछ है।

ये तीन दृष्टिकोण हैं। शाब्दिक दिन, पहला दिन, दूसरा दिन, तीसरा दिन, जहां वे वास्तविक 24 घंटे के दिन हैं। ये लोग यंग अर्थ क्रिएशनिस्ट हैं, इनके लिए पृथ्वी लगभग बीस हजार साल पुरानी है। द

डे एज - क्या यह तेरह दशमलव सात अरब वर्ष पुराने ब्रह्मांड की अनुमति देता है जिससे विज्ञान काफी हद तक सहमत हो सकता है? हाँ। पेरी फिलिप्स का बिग बैंग थ्योरी व्याख्यान शुक्रवार तक वेब पर आ जाएगा। प्रतीकात्मक दिन, क्या यह अरबों वर्षों के लिए भी अनुमति देता है? हाँ।

अब सवाल यह है, और इस सबका मुद्दा यही है: बाइबल कहती है कि पृथ्वी कितनी पुरानी है? यह नहीं कहता. क्या यह अनुमान हर किसी की ओर से है? आपके पास कुछ युवा पृथ्वी के लोग होंगे, आपके पास कुछ पुरानी पृथ्वी के लोग होंगे, और मैं केवल इतना कह रहा हूँ: इन चीज़ों पर मत लड़ो। बाइबल वास्तव में ऐसा नहीं कहती. लोग अलग-अलग राय रखते हैं, इस पर अलग-अलग राय रखना ठीक है। बड़े लोगों पर बड़ा, नाबालिगों पर छोटा। पृथ्वी की तिथि - हम नहीं जानते। शास्त्र नहीं कहता.

तो अपना ख्याल रखना! हम आपसे मंगलवार को मिलेंगे।

मैं पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम पर व्याख्यान पाँच पर डॉ. टेड हिल्डेब्रांट हूँ। आज का व्याख्यान उत्पत्ति अध्याय एक, श्लोक 1:1 और 1:2 पर होगा, और फिर उत्पत्ति के दिनों पर चर्चा होगी। डॉ. टेड हिल्डेब्रांट।

लिब्बी विल्सन
द्वारा प्रतिलेखित टेड हिल्डेब्रांट 2 द्वारा रफ संपादित